वर्ष: 2 अंक: 61,
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

सुरत

सोमवार

4 मई 2020

दैनिक

क्रांति समय

आपने आसपास की घटनाक्रम,समा. चार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल krantisamay@gmail.com या WhastApp 9879141480 पर भेज सकते हैं

ब्यूरो, रिपोर्टर

अपने क्षेत्र की खबरें के लिये संपर्क करें.

सुविचार :- सच्चाई के रस्ते पर चलने पर फायदा हैं क्योंकि इस रस्ते पर भीड़ कम मिली हैं !

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी खुफिया एजेंसी का दावा कोरोनो की वैक्सीन के फॉर्मूले पर दुनिया भर साइबर जासूसों की नजर

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। कोरोना ने पूरी दुनिया में कोहराम मचा रखा है। अभी तक कोरोना से 2 लाख 33 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि बीमारी ने पूरी दुनिया में करीब 32 लाख लोगों को अपनी चपेट में ले लिया है। बीमारी का कोई इलाज नहीं है। इसकारण दुनिया भर के वैज्ञानिक इसकी वैक्सीन बनाने पर काम कर रहे हैं। लेकिन किसी को अभी तक कामयाबी हाथ नहीं लगी है। इस बीच अमेरिका ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों को आगाह किया है कि वैक्सीन के फॉर्मूले पर जाजूसों की नजर है। सूत्रों के अनुसार गुप्तचर अधिकारी ने बताया कि कोरोनो की वैक्सीन के फॉर्मूले पर विदेश के साइबर जासूस 24 घंटे नजर रख रहे हैं। नेशनल काउंटरइंटेलिजेंस एंड सिक्योरिटी सेंटर के निदेशक बिल इवानिना के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने रिसर्च करने वाली संस्थानों को चौकन्ना रहने के लिए कहा है। हालंकि उन्होंने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि क्या अमेरिका में फिलहाल वैक्सीन से जुड़े किसी डेटा की चोरी हुई है या नहीं। ब्रिटेन की सुरक्षा एंजेसियों ने भी माना है कि वैक्सीन की फॉर्मूले पर जासूसों की नजर है। बता दें कि कोरोना की वैक्सीन बनाने के लिए दुनिया भर की सरकारें दिन–रात मेहनत कर रही है। कहा जा रहा है कि वैक्सीन अगले एक साल में आ जाएगी।इसकारण अमेरिकी सरकार भी इस बात का ध्यान रख रही है कि किसी जासूस की नजर इन फॉर्मूलों पर न पड़ जाए। ये साफ है कि जिस देश को वैक्सीन बनाने में सबसे पहले कामयाबी मिलेगी वहां सबसे पहले अपने यहां के नागरिकों को सुरक्षित करेगा।

उत्तरी आयरलैंड के घर से पकड़ा गया कुत्ते जितना बड़ा चूहा

बेलफास्ट (ईएमएस)। उत्तरी आयरलैंड के व्हिटएबे नाम के एक छोटे से शहर में रहने वाले बॉबी मैकिनले बीते कई दिनों से परेशान थे। घर में मौजूद उनके बेटे के बच्चे लगातार घर और आंगन में आजीबोगरीब जानवर देखने की शिकायत कर रहे थे। बच्चे उसे बड़ा चूहा बता रहे थे, लेकिन कई बार ट्रैप लगाने के बावजूद वह पकड़ में नहीं आ रहा था। हालांकि जब यह जानवर पकड़ में आया तो बॉबी के होश उड़ गए। बॉबी ने बताया कि पहली बार उन्होंने जब उसकी झलक देखी तो उन्हें सिर्फ गुलाबी रंग की एक लंबी पूछ ही नज़र आयी थी। बच्चे आंगन में खेल रहे थे और डरकर बॉबी को बुलाने आए और उन्हें बहार सिर्फ के लंबी पूछ ही नज़र आ सकी। बॉबी को लगा कि शायद किसी तरह की बड़ी गिलहरी है क्योंकि इतना बड़ा चूहा उन्होंने कभी नहीं देखा था। बॉबी के मुताबिक उन्होंने छह बार ट्रैप लगाकर उसे पकड़ने की कोशिश की और वे असफल रहे, इसका कारन यह था कि वे काफी छोटा ट्रैप तैयार कर रहे थे। बॉबी ने बताया कि उनके पोते ने उन्हें बताया कि चूहा काफी बड़ा है और ये एक छोटे कुत्ते के जितना बड़ा है। इसके बाद बॉबी ने चॉकलेट और चीज के जरिए एक ट्रैप बनाकर चूहे को पकड़ लिया। बॉबी ने बताया कि पहली बार जब मैंने उसे देखा तो मुझे उसके इतने बड़े साइज पर भरोसा ही नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि ये बड़ी बिल्लियों या फिर छोटी नस्ल के कुत्तों जैसे पॉमेरियन से भी बड़ा था। बॉबी के मुताबिक उसका वजन भी काफी था और मैं उसे एक हाथ से उठा नहीं पा रहा था। उन्होंने बताया कि यह चूहा इतना बड़ा था कि इंसानों से भी इसे डर नहीं लग रहा था।

ट्रंप के मुकाबले मोदी का कद बढ़ा, सारी दुनिया में भारत की वाहवाही

नई दिल्ली (ईएमएस) । कोरोनावायरस संक्रमण को रोकने के लिए भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉक डाउन को बड़े सख्त तरीके से लागू किया। कर्फ्यू की तरह लॉक डाउन को लागू किया गया। लगभग 40 दिनों तक भारत की जनता घरों में कैद रही। जिसके कारण कोरोनावायरस संक्रमण की चेन यहां पर ऐसी नहीं बन पाई, जैसे अमेरिका और यूरोप के देशों में बन गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चमत्कारी छवि से आज सारी दुनिया प्रभावित है। भारत का विश्व गुरु बनने का सपना भी यहीं से शुरू होता है। भारत ने कोरोनावायरस के संक्रमण का मुकाबला करने के लिए जिस तरह से आयुर्वेदिक काढ़ा, फिजिकल डिस्टेंस, मलेरिया की दवा जैसे सीमित संसाधनों में अभी 130 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश में कोरोनावायरस की लड़ाई जीती है। उससे भारत की छवि सारी दुनिया के देशों में एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर कर सामने आई है।

जनता के सहयोग से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोनावायरस की संक्रमण की चैन को तोड़ने में असाधारण सफलता हासिल की है। किंतु भारतीय अर्थव्यवस्था का जो चेन सिस्टम था। वह 40 दिन के लाकडाउन में पूरी तरह से टूट रहा है। मार्च–अप्रैल और मई माह में भारत की अर्थव्यवस्था कृषि आधारित होती है। इसी अर्थव्यवस्था से देश की औद्योगिक और सर्विस सेक्टर की अर्थव्यवस्था बनती है। पिछले दो माह में भारत का आर्थिक पक्ष बड़ी तेजी के साथ गड़बड़ाया है। प्रधानमंत्री मोदी यदि अर्थव्यवस्था की चेन को बनाए रख पाने में सफल हुए, तो सारी दुनिया में भारत का शंखनाद होगा। भारत को विश्व गुरु बनने से कोई नहीं रोक पाएगा।

भारत ने अपने दम पर अभी तक कोरोनावायरस के इस संक्रमण का मुकाबला कर इसे फैलने से रोका है। इसके विपरीत यूरोप के देश कोरोना और आर्थिक संकट दोनों ही मोर्चे पर लड़ रहे हैं। अभी तक की जो स्थिति है, उसमें सारी दुनिया के सामने भारत का पलड़ा भारी है। यूरोपीय और इस्लामिक देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। वहीं भारत अभी भी अपने पैरों पर खड़ा हुआ है। विकसित राष्ट्र एवं इस्लामिक राष्ट्र जो तेल की कमाई से सारी दुनिया में अपनी धन्ना सेठी के लिए जाने जाते थे। कोरोना संक्रमण ने उन्हें अर्श से फर्श पर लाकर खड़ा कर दिया है।

हंदवाड़ा में हुई आतंकी मुठभेड़ में लश्कर का टॉप कमांडर हैदर ढेर

श्रीनगर । जम्मू–कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में हुई आतंकी मुठभेड़ में लश्कर के टॉप कमांडर हैदर के मारे जाने की सूचना है। आंतकी हैदर का मारा जाना सेना के लिए बड़ी कामयाबी है। हालांकि मुठभेड़ में पांच सैनिकों के शहीद होने की खबर ने देश को एक बार फिर झकझोर कर रख दिया है। जम्मू–कश्मीर पुलिस के आईजी विजय कुमार ने बताया कि हंदवाड़ा एनकाउंटर में लश्कर कमांडर 'हैदर' को मार गिराया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ के दो आतंकी मारे गए थे। इन दोनों आतंकियों की शिनाख्त कर ली गई है। इनमें से एक आतंकी लश्कर का टॉप कमांडर था।

गौरतलब है कि कुपवाड़ा जिले में हंदवाड़ा के चांजमुल्ला इलाके में शनिवार को एक मकान में छिपे आतंकवादियों ने कुछ नागरिकों को बंधक बना लिया था।खुफिया जानकारी के आधार पर सेना की एक टीम ने जम्मू–कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर इलाके को घेरकर सभी नागरिकों को छुड़ा लिया। बताया जाता है कि जब बंधकों को छुड़ाया जा रहा था तभी बचाव टीम पर आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी शुरु कर दी। दोनों ओर से हुई मुठभेड़ में सेना के अधिकारी कर्नल आशुतोष शर्मा और मेजर अनुज सहित दो जवान और तथा जम्मू–कश्मीर पुलिस के उपनिरीक्षक शकील काजी शहीद हो गए थे।कर्नल आशुतोष शर्मा ने आतंकियों के खिलाफ कई ऑपरेशन को सफलता से खत्म किया है, लेकिन इस एनकाउंटर में उनकी जान चली गई।

केंद की गाईडलाईन के हिसाब से दिल्ली में भी मिलेगी छूट : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की गाइड लाइंस का पालन करते हुए दिल्ली में कुछ गतिविधियों को शर्तों के साथ खोलने की इजाजत दे दी है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बताया कि केंद्र सरकार ने पूरे दिल्ली को रेड जोन घोषित किया है। केंद्र सरकार की गाइड लाइंस का अध्ययन करने के बाद दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि मार्केट, मॉल और मार्केट काम्प्लेक्स बंद रहेंगे। जबकि स्टैंड अलोन शॉप, नेवरहूड शॉप और रेजिडेंशियल काम्प्लेक्स मे जो दुकानें हैं, वह खुलेंगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब हमें कोरोना के बीच जीने की आदत डालने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। ऐसा कभी नहीं हो सकता है कि कोरोना पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। लिहाजा दिल्ली सरकार ने अपनी पूरी तैयारी कर ली है। लॉक डाउन से पूरी अर्थव्यवस्था बिगड़ गई है। लिहाजा, अब दिल्ली को खोलने का वक्त आ गया है। इसके लिए हम केंद्र सरकार से भी बात कर रहे हैं और उम्मीद है कि जल्द ही दिल्ली के सभी मार्केट खुलेंगे।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर बताया कि आज दूसरे लॉकडाउन का आखिरी दिन है। केंद्र सरकार ने ऐलान किया है कि दो सप्ताह के लिए लॉक डाउन को और बढ़ाया जा रहा है, लेकिन कुछ छूट दी जा रही है। उनमें से क्या छूट दी जा रही है और क्या नहीं दी जा रही है। इस पर दिल्ली सरकार ने पिछले दो दिन में काफी गहनता से सोच विचार किया है। केंद्र सरकार ने पूरी दिल्ली को रेड जोन घोषित किया हुआ है। रेड जोन में केंद्र सरकार ने जितनी भी छूट देने की अनुमति दी है, वह सभी छूट हम लोग दिल्ली के अंदर देने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मेरा मानना है कि कोरोना को रोकने के लिए लॉक डाउन को लागू करना बहुत जरूरी था। केंद्र सरकार ने 24 मार्च को लॉकडाउन लागू किया, जो सही था। उस दौरान यदि हम लॉक डाउन नहीं लागू करते तो आज देश के अंदर भयावह स्थिति हो सकती थी। क्योंकि उस समय देश कोरोना से लड़ने के लिए तैयार नहीं था। उस समय हमारे पास पीपीई किट्स नहीं थे, हमारे पास टेस्टिंग किट्स नहीं थे,

अस्पताल तैयार नहीं थे, लोग तैयार नहीं थे और सोशल डिस्टेंसिंग का आइडिया नहीं था। अब डेढ़ महीने के बाद हमें लग रहा कि दिल्ली आज लॉकडाउन खोलने के लिए तैयार है। केंद सरकार ने पूरी दिल्ली को रेड जोन में रखा है। अभी तक केंद्र सरकार से जितनी भी गाइड लाइंस आई, सभी अच्छी गाइड लाइंस आईं और हमने सबका पालन किया। लेकिन अब पूरे दिल्ली को रेड जोन घोषित कर देने से कई समस्याएं आ रही हैं। इससे आम जनता को बहुत बड़ी तकलीफ है। लोगों के रोजगार चले गए हैं। दुकानें और इंडस्ट्री बंद हैं, उससे बहुत सारे लोगों की नौकरियां जा रही हैं। लोग अब दिल्ली को छोड़ कर चले जाएंगे। इससे पूरी अर्थव्यवस्था गड़बड़ा गई है।

इसे हम काफी दिनों तक बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। दूसरी तरफ, जब सारी अर्थ व्यवस्था बंद है, तो सरकार को राजस्व मिलना बंद हो गया है। हम तनख्वाह कहां से देंगे, सरकार कहां से चलेगी? राजस्व का आना बिल्कुल बंद हो गया है।

अप्रैल में हर साल करीब 3500 करोड़ का राजस्व आता था। लेकिन इस बार सिर्फ 300 करोड़ का राजस्व आया है। इससे हम तनख्वाह भी नहीं दे सकते हैं। अर्थव्यवस्था का बड़ा संकट पैदा हो रहा है। मेरा मानना है कि लॉक डाउन के समय का इस्तेमाल हमें कोरोना से लड़ने की तैयारी करने में करना चाहिए और हमने इसका भरपूर इस्तेमाल किया है। ऐसा कभी नहीं हो सकता है कि कोरोना जीरो हो जाएगा, कोरोना का एक भी मरीज नहीं होगा, आगे कोरोना कभी हो ही नहीं सकता है, ऐसा पूरी दुनिया में नहीं हो रहा है। यह संभव ही नहीं है। कोरोना आ गया है और कोरोना रहेगा। अब हमें कोरोना के साथ जीने की आदत डालनी पड़ेगी। सरकारो को इससे लड़ने की तैयारी करनी पड़ेगी। देश को इसकी तैयारी करनी पड़ेगी। आज दिल्ली इसके लिए तैयार है। आज हमने इसके लिए पूरे उपाय कर लिए हैं। पर्याप्त अस्पतालों और टेस्टिंग व पीपीई किट्स आदि का इंतजाम कर लिया है। हमने केंद्र सरकार को सुझाव दिया है कि दिल्ली में करीब 97 कंटेन्मेंट जोन हैं, उनको पूरी तरह से सील कर दिया जाएगा। बाकी दिल्ली को ग्रीन कर दिया जाए और सभी मार्केट को खोल दिया जाए। मार्केट में चाहें तो ऑड ईवन कर दिया जाए। लेकिन अब दिल्ली को खोलने का समय आ गया है। हम इसके लिए तैयार हैं और केंद्र सरकार से इसके लिए बात भी कर रहे हैं। हमें पूरी उम्मीद है कि जल्द ही दिल्ली के सभी मार्केट खुलेंगे और अर्थव्यवस्था खुलेगी। ऐसा होने से थोड़े केस बढेंगे, लेकिन जो केस बढ़ेंगे, उससे हम निपटने के लिए तैयार हैं। इस समय हमारा दो मुख्य मकसद है। पहला मकसद है कि किस तरह दिल्ली में होने वाली कोरोना से मौतों को कम किया जाए और हम अभी तक इसे कम करने में सफल रहे हैं। दूसरा यह है कि कैसे कोरोना को फैलने से रोका जाए। इसके लिए दिल्ली सरकार बहुत ज्यादा टेस्ट कर रही है। ताकि हमें पता चल सके कि कौन बीमार है, ताकि उसका इलाज कर घर भेज सकें। मैं उम्मीद करता हूं कि हम केंद्र सरकार को मनाने में भी सफल होंगे और लॉकडाउन के समय में जो भी राहत दी गई है, उससे सभी लोगो को फायदा होगा।

कोरोना से जंग में रेमडेसिविर के उपयोग को स्वीकृति –एंटी वायरल दवा रेमडेसिविर काफी अहम

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने कोरोना वायरस (कोविड–19) के मरीजों का उपचार के दौरान आपातकालीन स्थिति में रेमडेसिविर दवा का उपयोग करने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। बता दे कि कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में एंटी वायरल दवा रेमडेसिवियर (रेमडेसिविर) काफी अहम हो गया है। रेमडेसिवियर के क्लिनिकल ट्रायल के तीसरे फेज में सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद दुनिया की निगाहें अब इस दवा पर टिक गई हैं।

एफडीए प्रमुख स्टेफन हान ने इसकी घोषणा की। उन्होंने व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, 'हमने गुलीड (एक दवा कंपनी) को अस्पताल में भर्ती मरीजों के आपातकालीन उपयोग हेतु रेमडेसिविर की आपर्ति के लिए के आवेदन दाखिल करने के लिए अधिकृत किया है।' अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेमडेसिविर के उपयोग को सही सोच करार दिया और कहा कि इससे बहुत उम्मीद है। गिलीड के कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) डेनियल ओ डे ने घोषणा की कि कंपनी 10.50 लाख दवा की शीशियां दान कर रही है। उन्होंने कहा, 'हमने लगभग 10.50 लाख रेमडेसिविर की शीशियां दान करने का फैसला लिया है। हम इस मुद्दे पर काम करेंगे कि सरकार के साथ किस तरह से सर्वश्रेष्ठ योगदान दे सके। गिलीड दवा की आपूर्ति को बढ़ाने को लेकर पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।' रेमडेसिवियर के क्लिनिकल ट्रायल के मुताबिक, इस दवा ने रोगियों के सुधार समय (इम्प्रूवमेंट टाइम) को 5 दिन कम कर दिया है।

यानी रिकवरी 5 दिन कम में ही होने लगती है। अमेरिका में कोविड–19 के लिए इस दवा का ट्रायल जीलेड नाम की कंपनी कर रही है। माना जा रहा है कि अगर ट्रायल पूरी तरह से सफल हुआ तो इससे दुनिया को एक तरह से संजीवनी मिल जाएगी। दरअसल, रेमडेसिवियर एक एंटी वायरल दवा है, जिसे इबोला के इलाज के लिए बनाया गया था। इसे अमेरिकी फार्मास्युटिकल गिलियड साइंसेज द्वारा बनाया गया है। इसी साल फरवरी में यूएस नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शस डिसीज ने घोषणा की कि वह कोविड–19 के खिलाफ जांच के लिए रिमेडिसवायर का ट्रायल कर रहा है। बता दें कि इसी दवा ने सार्स और मर्स जैसे वायरस के खिलाफ एनिमल टेस्टिंग में बेहतर परिणाम दिए थे। इस ट्रायल में करीब 1000 कोरोना मरीजों को शामिल किया गया था। इन मरीजों को दो समूह में बांटकर रेमेडिसविर और प्लेसिबो दी गई। जब इन पर ट्रायल हुआ तो रिमेडिसवायर वाले कोविड–29 मरीज प्लेसीबो की तुलना में जल्दी से ठीक हो गए। रिमेडिसवायर का जिन मरीजों पर इस्तेमाल हुआ था, उनकी रिकवरी 31 फीसदी तेजी से हुई। कैलीफोर्निया स्थित दवा कंपनी गिलीड साइंसेज ने कहा कि प्रारंभिक परिणामों से पता चला कि 'रेम्डेसिविर' दवा की पांच दिन की खुराक के बाद कोविड–19 के मरीजों में से 50 प्रतिशत की हालत में सुधार हुआ और उनमें से आधे से अधिक को दो सप्ताह के भीतर छुट्टी दे दी गई। तीसरे चरण के परीक्षण को दवा को स्वीकृति मिलने की प्रक्रिया में अंतिम कदम कहा जाता है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शस डिसीज के निदेशक एंथोनी फॉसी ने कहा कि 100 प्रतिशत के मुकाबले 31 फीसदी सुधार कुछ भी नहीं, मगर यह बहुत अहम है। इससे साबित होता है कि दवाएं इस वायरस को रोक सकती है।

5 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने वाला देश 40 दिन में बेहाल

नई दिल्ली (ईएमएस) । भारत की जनता हैरान है कि प्रधानमंत्री सहित सभी केंद्रीय मंत्री और भाजपा के नेता दावा कर रहे थे, कि अगले 4 साल में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत की होगी। 5 खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने का दावा किया जा रहा था। लेकिन 40 दिन के लॉक डाउन के बाद जिस तरह की आर्थिक स्थिति देश की बन रही है उससे हर आदमी हैरान है।

दुनिया के दूसरे देशों के मुकाबले कोरोना की लड़ाई में भारत ने टेस्टिंग मात्र 150 करोड़ रुपए खर्च किए है। अमेरिका जैसे देश ने केवल टेस्टिंग में 7000 करोड रुपए से अधिक खर्च कर दिया है। भारत के मुकाबले अमेरिका की आबादी बहुत कम है। अमेरिका ने आर्थिक पैकेज के रूप में भारत की तुलना में कई गुना ज्यादा पैकेज अपने नागरिकों को दे दिया है। भारत को कोरोना से निपटने के लिए एशियाई बैंक से कर्ज लेना पड़ा। अभी तक राज्यों, उद्योगपतियों, बेरोजगारों को कोई आर्थिक पैकेज केन्द्र सरकार ने घोषित नहीं किया है। जिसके कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार और उसके नेता जो दावा कर रहे थे। कोरोना संकट के 40 दिन की तालाबंदी से सारे दावे खोखले साबित हो रहे हैं। इससे जनता भविष्य को लेकर हैरान और परेशान हैं।

ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म 'शर्माजी नमकीन' को रितेश और फरहान करेंगे पूरा

मुंबई (ईएमएस)। इस हफ्ते की शुरुआत में बॉलीवुड ने अनुभवी अभिनेता ऋषि कपूर के रूप में एक बेशकीमती नगीना खो दिया है जो दो साल तक ल्यूकेमिया से लड़ने के बाद ज़िन्दगी से जंग हार गए है। अपने ट्रीटमेंट से घर वापसी के बाद से अभिनेताका अपनी अगली फिल्म ष्शर्माजी नमकीनष् की शूटिंग कर रहे थे, जो कि रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटे. नमेंट द्वारा निर्मित है और ऋषि कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई है।

कुछ दिनों की शूटिंग बाकी होने के साथ फिल्म लगभग पूरी हो गई थी और अब एक विश्वसनीय स्रोत से हमें फ़िल्म से जुड़ी एक खास खबर पता लगी है।सूत्र ने साझा किया, ''ऋषि कपूर फिल्म के मुख्य नायक थे और अभिनेता के लिए शूटिंग के कुछ दिन बाकी होने के साथ, पहले ही प्रमुख भाग की शूटिंग कर ली गई थी। यह ऋषि कपूर का आखिरी प्रॉजेक्ट था जो पूरा होने वाला था और अब रितेश व फरहान फिल्म रिलीज करने के लिए सुनिश्चित है।'' सूत्र ने आगे कहा, ष्रितेश और फरहान फिल्म को पूरा करने के इरादे के साथ बेहद बारीकी से काम कर रहे है और इतना तो तय है कि फिल्म पूरी की जाएगी और यह एक नाटकीय रिलीज होगी।ष्ऋषि कपूर फ़िल्म 'शर्माजी नमकीन' में जूही चावला के साथ प्रमुख भूमिका में नज़र आएंगे। फिल्म का निर्माण एक्सेल एंटरटेनमेंट ने हनी तेहरान और अभिषेक चौबे के साथ मिलकर किया है। यह हितेश भाटिया की बतौर निर्देशक पहली फिल्म होगी।

पाक में कोरोना के 1,952 नए मामले –पिछले 24 घंटे में 47 लोगों की मौत

इस्लामाबाद । कोरोना वायरस के पडोसी देश पाकिस्तान में एक दिन में सर्वाधिक 1,952 नए मामले प्रकाश में आए हैं। पाक में अब तक संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 18,770 हो गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय ने बताया कि महामारी से पिछले 24 घंटे में 47 लोगों की मौत हो गई और साथ ही अब तक मरने वालों की संख्या 432 तक पहुंच गई है। वहीं 4,715 लोग इलाज के बाद ठीक हो चुके हैं। उसने कहा कि शुक्रवार को एक दिन में संक्रमण के रिकॉर्ड 1,952 नए मामले सामने आए हैं। अधिकारियों ने हालांकि कहा कि ये आंकडे चौंकाने वाले नहीं हैं क्योंकि संक्रमण के मामलों की जांच बढ़ाई गई है। मंत्रालय ने आगे कहा कि पिछले 24 घंटे में 9,164 जांच परीक्षणों सहित देश में अब तक 1,93,859 जांच परीक्षण किए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य मामलों के विशेष सहायक डॉक्टर जफर मिर्जा ने मीडिया को बताया कि पाकिस्तान जांच की अपनी क्षमता बढ़ा रहा है। देश में कोरोना वायरस नियंत्रण में है और इससे मरने वालों की दर भी कम है। उन्होंने कहा,'अनुमान के मुताबिक पाकिस्तान में मृत्यु दर अब भी कम है और अगर हम पूरे विश्व के हालात देखें तो यह उनके मुकाबले बेहद कम है। अगर आप खुद अपना ध्यान रखते हैं तो यह तय है कि आप और आपका परिवार सुरक्षित रहेगा।' पाकिस्तान में संक्रमण के कुल 18,770 मामलों में पंजाब प्रांत में 6854, सिंध में 7102 खैबर पख्तूनख्वा में 2907, बलूचिस्तान में 1136, इस्लामाबाद में 365, गिलगित–बाल्तिस्तान में 340 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में 66 मामले हैं। इस दौरान उन्होंने रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन के शीघ्र स्वस्थ होने और उनकी अच्छी सेहत की कामना की है। मिशुस्तिन हाल ही में कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे। खान ने ट्वीट किया, 'रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन के शीघ्र स्वस्थ होने और उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। कोरोना वायरस साझा चुनौती है और इस चुनौती से निपटने में हम अपने रूसी मित्रों के साथ हैं।' इस बीच प्रधानमंत्री इमरान खान ने महामारी से नौकरी गंवाने वालों के लिए नकदी कार्यक्रम के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता बरतने के लिए वह खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं। खान ने नकदी योजना एहसास की शुरुआत करते हुए कहा, 'अब तक 81 अरब रुपये लोगों में बांटे जा चुके हैं। इस प्रक्रिया की मैं खुद निगरानी कर रहा हूं।'

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना संक्रमण के बाद बचेंगे भारत के समाचार पत्र ?

भारत में 40 दिन के लॉक डाउन के बाद यदि सबसे ज्यादा बुरा असर किसी पर पड़ा है, तो वह प्रिंट मीडिया है। 1990 के बाद से प्रिंट मीडिया ने काफी ऊंची उड़ान भरी थी। भारत के राज्य एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों की पृष्ठ संख्या तथा प्रसार संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी। जिले एवं संभागीय स्तर से प्रभावी लघु एवं मध्यम श्रेणी के समाचार पत्र प्रकाशित होना शुरु हुए। औद्योगिक विस्तार एवं वैश्विक व्यापार संधि को देखते हुए भारत में राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों में विज्ञापन की संख्या बढ़ी। बड़े–बड़े समाचार पत्र संस्थानों की आय भी प्रति वर्ष तेजी के साथ बढ़ी। जिसके कारण समाचार पत्र संस्थानों ने वर्तमान दायित्व की सोच को ही बदल दिया। जो मीडिया पहले अपने पाठकों के लिए उत्तरदाई होता था। पाठकों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए समाचारों, लेख एवं अन्य पठनीय सामग्री को पाठकों तक पहुंचाता था। समाचार पत्र की पहचान उसकी अपनी विचारधारा और उसके संपादक से हुआ करती थी। 1990 के बाद समाचार पत्र संस्थानों में भी औद्योगिक सोच का विस्तार हुआ। वैश्वीकरण का प्रभाव मीडिया संस्थ. ानों में इस कदर बढ़ा, कि संपादकों एवं रिपोर्टर के स्थान पर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव के लोग प्रिंट मीडिया में बड़ी तेजी के साथ भारी भरकम वेतन लेकर कार्य करने लगे।

प्रिंट मीडिया संस्थानों की पूरी सोच ही बदल गई। औद्योगिक एवं राजनैतिक हितों के लिए प्रिंट मीडिया काम करने लगा। देखते ही देखते 2010 तक संपादकों का स्थान ऐसे लोगों ने ले लिया, जो व्यापारिक दृष्टि से प्रिंट मीडिया के संस्थानों के लिए मुफीद थे। इसी तरह प्रिंट मीडिया ने राजनेताओं औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों के हितों के लिए उनसे सौदेबाजी शुरू कर दी। इस सौदेबाजी में प्रिंट मीडिया और बाद में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के संस्थानों का बड़ा आर्थिक फायदा हुआ। लेकिन इसी बीच आम जनता की दूरी मीडिया संस्थानों से बढ़ती चली गई।

समाचार पत्रों की पृष्ठ संख्या बड़ी तेजी के साथ बढ़ी। राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों में विज्ञापन की संख्या बढ़ी। तेजी के साथ बढ़ी अखबारों का बहुत बड़ा स्पेस विज्ञापनों ने ले लिया। पैसा लेकर राजनीतिक दलों और औद्योगिक संस्थानों के हित में मीडिया ने काम करना शुरू कर दिया। मीडिया में काम करने लोगों का तेजी के साथ वेतन बढ़ा। जिस तरह व्यापारिक संस्थानों में बिक्री या मुनाफे के लक्ष्य निर्धारित होते थे। वैसे ही लक्ष्य मीडिया संस्थानों ने बनाना शुरु कर दिए। मीडिया संस्थानों का 80 से 90 फ़ीसदी राजस्व, कागज, प्रिंटिंग, वितरण व्यवस्था, प्रसार संख्या बढ़ाने में खर्च होने लगी। 1990 के बाद से समाचार पत्र और मीडिया पूरी तरह विज्ञापन की आय पर आध ाारित हो गया। पृष्ठ संख्या बढ़ जाने से कागज का खर्च बढ़ा। प्रसार संख्या बढ़ाने के लिए पाठकों के लिए उपहार योजनाएं चलाई गई। अखबारों की पृष्ठ संख्या कई गुना बढ़ जाने के बाद भी समाचार पत्र की कीमतों को और कम किया गया। जिसके कारण पाठकों की रूचि बदली। समाचार पत्रों की बढ़ी हुई पृष्ठ संख्या में जो सामग्री प्रकाशित हुई, उससे पाठकों का वैचारिक दृष्टि से कोई लेना–देना भी नहीं रहा। पाठक यह सोचकर अखबार लेता रहा, कि रद्दी में अखबार बेचने के बाद बिल से ज्यादा पैसा रद्दी से मिल जाता है। इसके साथ ही पाठकों की रुचि बाजारवाद की ओर ले जाने का काम मीडिया संस्थानों ने किया। जिसके कारण राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों में प्रसार संख्या बढ़ाने और विज्ञापन मैं एकाधिकार करने की जो होड़ मची थी। पिछले 2 से 3 वर्षों में इसी होड़ के कारण अब मीडिया संस्थानों का अस्तित्व ही संकट में आ गया है।

2016 के बाद से आर्थिक मंदी तथा कोरोनावायरस संक्रमण के एक ही झटके में प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को अर्श से फर्श पर लाकर खड़ा कर दिया है। 2016 के बाद से ही प्रिंट मीडिया अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा था, विज्ञापन कम होता जा रहा था खर्च हर साल बढ़ता ही जा रहा था। जीएसटी के आने के बाद प्रिंट मीडिया की कमर बड़ी तेजी के साथ टूटी। स्वतंत्रता के पश्चात से कभी भी न्यूज़ प्रिंट विज्ञापन की आय में कोई टैक्स नहीं था। जीएसटी में कागज और विज्ञापन दोनों में जीएसटी लागू कर दिया गया। इसी समय आर्थिक मंदी के कारण रियल एस्टेट, एजुकेशन सेक्टर, ऑटोमोबाइल सेक्टर, आईटी सेक्टर तथा टेलीकॉम सेक्टर में मंदी का दौर आया। विज्ञापनों में अंडर कटिंग शुरू हुई। विज्ञापन की आय कम हुई, खर्च बढ़ गए। इसी बीच कोरोनावायरस का संक्रमण आया। 40 दिन का लाकडाउन लागू किया गया। संक्रमण का भय इतना फैला कि लोगों ने समाचार पत्र लेना ही बंद कर दिया। लाकडाउन की शर्तें इतनी कठिन थी, कि पेपर पहुंचाना भी बड़ा मुश्किल था हाकरों ने भी डर के मारे अखबार बांटने बंद कर दिए। पाठकों ने अखबार लेना बंद कर दिया। समाचार पत्रों की आय लगभग खत्म हो गई। लेकिन समाचार पत्रों के खर्च तथा लायबिलिटी उतनी ही बनी रही। राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक तथा क्षेत्रीय समाचार पत्रों करोड़ों और लाखों रुपए प्रतिमाह का है। विज्ञापन के अलावा आय का और कोई विकल्प उनके पास नहीं है। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने भी पिछले वर्षों की तुलना में विज्ञापन कम कर दिए। लाक डाउन के दौरान कुछ डिस्प्ले विज्ञापनों को छोड़कर अन्य सरकारी विज्ञापन भी बंद रहे। वही औद्योगिक एवं व्यापारिक संस्थानों से भी विज्ञापन आना बंद हो गए। ऐसी स्थिति में प्रत्येक समाचार पत्र के ऊपर उसकी हैसियत के अनुसार लाखों करोड़ों रुपए की नई देनदारी खड़ी हो गई है। पिछले वर्षों में प्रतिस्पर्धा के कारण आय और खर्च का संतुलन बिगड़ने के बाद भी प्रिंट मीडिया अपना अस्तित्व बनाए हुआ था। किंतु जैसे ही 40 दिन का लाक डाउन लागू हुआ। कोरोनावायरस के संक्रमण को लेकर विज्ञापन खत्म हो गया। विज्ञापन दाताओं ने रद्दी के भाव में भी अखबार लेना स्वीकार नहीं किया। जिसके कारण प्रिंट मीडिया समाप्त होने की स्थिति में पहुंच गया है। केंद्र एवं राज्य सरकारों तथा औद्योगिक संस्थानों ने यदि प्रिंट मीडिया की सहायता नहीं की। यही स्थिति 1 माह और चल गई, तो प्रिंट मीडिया को अपना अस्तित्व बनाए रखना मुश्किल होगा। मीडिया संस्थानों की अभी तक जो हेसियत बना रखी थी। एक बार फिर उन्हें 1990 के दशक में वापस लौटने की स्थिति में आना पड़ेगा। वैश्विक आर्थिक मंदी के चलते भारतीय मीडिया जगत इन दिनों अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारों द्व ारा विज्ञापनों का भुगतान भी समय पर नहीं किया जा रहा है। भारत का मीडिया केवल विज्ञापनों की आय पर आश्रित था। विज्ञापन कम होने की दशा में या तो समाचार पत्रों के रेट बढ़ाकर अखबार को चालू रखना एकमात्र विकल्प है। समाचार पत्र के लिए सूचनाएं एकत्रित करना, उनका संपादन करने, प्रिंटिंग, कागज, वेतन और वितरण इत्यादि में मीडिया संस्थानों के कुल राजस्व का लगभग 90 फ़ीसदी राशि खर्चों में जाती है। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण जो स्थितियां निर्मित हुई हैं। उसमें 2 माह के अंदर ही मीडिया की देनदारियां काफी बढ़ गई हैं। मीडिया संस्थानों के ऊपर बैंकों के करोड़ों रुपए के कर्ज भी हैं। ब्याज, बिजली, भारी भरकम मशीनों और अन्य प्रशासनिक बहुत ज्यादा हैं। सरकार की सहायता इन्हें त्वरित रुप से नहीं मिली, तो सबसे पहले और सबसे बुरा असर मीडिया पर ही देखने को मिलेगा। सभी मीडिया संस्थान छोटे हो या बड़े सभी चिंतित हैं। अब देखना यह है कि सरकार लघु एवं मध्यम श्रेणी के समाचार पत्रों और बड़े समाचार पत्र समूह के लिए कौन सी नीति अपनाती है। पिछले वर्षों में केंद्र और राज्य सरकारों ने जिस तरह से कुछ बड़े–बड़े मीडिया समूह को ही प्रभावी मीडिया मान लिया था। यही मीडिया सबसे बड़े संकट के दौर से गुजर रहा है। मीडिया संस्थान सरकार की तरफ टकटकी लगाकर देख रहे हैं। जिस तरीके के खर्चे मीडिया ने बना रखे हैं। उसकी स्वयं की कोई आर्थिक व्यवस्था का सिस्टम नहीं है। भारत में पाठक को सबसे कम कीमत में समाचार पत्र देने, घाटे की अर्थव्यवस्था की भरपाई विज्ञापन से करने वाले मीडिया संस्थानों के सामने केवल दो ही विकल्प रह गए हैं। वह अपनी पृष्ठ संख्या को बहुत सीमित कर दें। अपने समाचार पत्र के मूल्य को बढ़ा दें। अपने अस्तित्व को बचाये रखने के लिए मीडिया संस्थानों को एक बार फिर अपने पाठकों के हितों का ध्यान रखना होगा। पाठक जिस समाचार पत्र को पसंद करेगा, वही अस्तित्व में बना रहेगा।

हास्य व्यंग्य

कृष्ण कुमार द्वारा निर्माण

बैठे ठाले हँस ही लो

अब ये तो सही सही नहीं पता कि हर बात पर लोगों का मुखड़ा उखड़ा क्यों रहता है पर आप यकीन मानिए मुझे तो बहुत हँसी आती है।आप पूछोगे कि बिना हँसी की बात के तो हँसी नहीं आती।लो जी ये भी कोई बात हुई मुझे तो इसी बात पर पर हँसी आ रही है कि हँसने के लिए भी हँसी की बात चाहिए।ये तो वही बात हुई कि कोई गौर वर्णा अप्सरा हो और आप कहें कि उसमें अदाएं ही नहीं है।अरे भाई जब गौर वर्ण अप्सरा ही हो गई तो फिर उसकी हर बात में,उसकी चाल में, उसके बोल में,उसके नयनों में अदाएं हो होंगी ही।अब हँसने के लिए हँसी की बात का होना तो बिल्कुल भी जरुरी नहीं जी।अब मुझे ही देख लो मुझे तो अपने आप पर ही हँसी आती है कि आखिर विश्व रचयिता ने मेरा निर्माण ही क्यों किया?मुझे तो दर्पण में अपना मुखड़ा देखकर ही हँसी आ जाती है और सा. `चता हूँ कि हाय निर्दयी काल!!इतने सुन्दर मुखड़े को भी तू खा जाएगा फिर दुनिया में रह ही क्या जाएगा?मुझे तो अपनी नादानियों पर भी हँसी आती है कि आखिर मैं ये इतनी सारी नादानियां करता ही क्यों हूँ।कभी–कभी तो मैं सोचता हूँ कि शायद बेमाता ने मुझे नादानियां करने के लिए ही मेरा निर्माण किया है और फिर यह सोचकर ही हँसी आ जाती है कि आखिर निर्माण का निर्माण ही क्यों हुआ?लो जी मुझे तो इस बात पर भी हँसी आ जाती है कि आखिर लोग हँसते क्यों नहीं, कहीं ऐसा तो नहीं कि उनके पेट में गुड़गुड़ हो रही है।मुझे तो बहुत हँसी आती है।कभी–कभी तो अपने आप ही अकेले में लेटा होता हूँ तो तब भी हँसी आ जाती है।शुक्र है ये हँसी कोई हसीना नहीं है वरना तो पता नहीं कौन इसे अपने आगोश में लेकर छोड़ता ही नहीं।मुझे तो अक्सर सार्वजनिक शौचालय में बैठे ठाले भी हँसी आ जाती है कि लोग यहाँ अपना लेखन और वर्तनी दोष फुरसत में सुधारने आते हैं क्या?पता नहीं कैसी–कैसी कारीगरी करते हैं साहब?मुझे तो अपनी जेबों पर भी हंसी आती है कि आखिर जब तुम्हें धन रखना ही नहीं था फिर दर्जी ने तुम्हें लगाया ही क्यों?मुझे तो बात–बात पर हँसी आती है।अब पता नहीं लोगों को क्यों नहीं हँसी आती?कई तो इतने गजब के लोग होते हैं कि जिनको हँसी की बात पर भी हँसी नहीं आती साहब।उनका क्या करें,अब मुझे ही देख लो मुझे तो इस बात पर भी हँसी आ रही है कि आखिर मैं यह हास्य व्यंग्य क्यों लिख रहा हूँ और लिखते–लिखते हँस भी रहा हूँ।अब पता नहीं लोग क्यों नहीं हँसते।मेरा तो हँसते सबसे यहीं कहना है कि हँस लिया करो यार,हँसने की कोई फीस या टैक्स नहीं लगता।कभी बात पर हँस लिया करो तो कभी बिना बात भी हँस लिया करो।चलो अब तो मेरा ये व्यंग्य पढ़कर ही हँस लो यार।वो गाना तो आपने सुना ही होगा कि—हर फ़िक्र को मैं धुएँ में उड़ाता चला गया।हँसो भाई हँसो वरना कहीं ऐसा न हो कि लोग तुम पर हँसने लग जाए।

(विचार–मंथन)

दुखों को दूर करना संघ का काम है

(हेमेन्द्र क्षीरसागर)

कोरोना संकट पर सरसंघचालक मोहन भागवत ने 'वर्तमान परिदृश्य और हमारी' भूमिका विषय पर बीते 26 अप्रैल को संघ मुख्यालय में अपना विचार रखते हुए कहा कि कोरोना से पूरी दुनिया जूझ रही है। जीवन तो चल रहा है, संघ का काम चल ही रहा है, बस उसका स्वरूप बदल गया है। घर में रहना ही इलाज है। स्वयं के प्रयास से अच्छा बनना और समाज को अच्छा बनाना ही अपना काम है। एकांत में आत्मसाधना और परोपकार संघ कार्य का स्वरूप है। केवल संघ के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि समाज के लिए भी कुछ बातें स्पष्ट हैं। अपने स्वार्थ की पूर्ति या अपना डंका बजाने के लिए हम काम नहीं कर रहे। जिसे दुनिया देख रही है। अहंकार को त्याग कर बिना श्रेय और भेदभाव के काम करना है। दुनिया के दुखों को दूर करना संघ का काम है। बताने से पहले खुद स्वास्थ्य नियमों और नागरिक अनुशासन का पालन करें। जो लोग इसका पालन नहीं कर रहे हैं, वहां कोरोना के मामले देखे जा रहे हैं। कोरोना से डरना नहीं, डरने से संकट और बढ़ता है। हम इसलिए काम करते हैं क्योंकि ये देश हमारा है। हमें सेवा करते हुए सावधान भी रहना जरूरी है।

नागपुर से सीधे प्रसारण में सरसंघचालनक ने अपने उदगार में कही समाज की सर्वांगीण उन्नति हमारी प्रतिज्ञा है इसलिए जब तक काम पूरा नहीं होगा तब तक हमें सतत भाव से यह सेवाकार्य करते रहना है। जिन्हें सहायता की आवश्यकता है ये सभी अपने हैं, उनमें कोई अंतर नहीं करना। अपने लोगों की सेवा उपकार नहीं है वरन हमारा कर्तव्य है। दरअसल कोरोना के कारण पर्यावरण शुद्ध हो गया है, लेकिन यह बना रहे हमें इसका विचार करना होगा। जैविक तरीकों पर बल देना होगा। पानी की बर्बादी रोकना, प्लास्टिक से मुक्ति, वृक्षा रोपण करना होगा। इस संकट के बाद हमको एक नए विकास के माडल पर विचार करना होगा। शासन के साथ जनता को स्वावलंबन करना होगा। यहां की बनी वस्तुओं, स्वदेशी का आचरण करना पड़ेगा स्वदेशी वस्तुओं का उत्पादन बढ़ाना होगा, विदेशी वस्तुओं पर निर्भर नहीं रहना है। चुनौती भारत के लिए एक अवसर भी है।

संघ प्रमुख ने दुखी मन से कहा इस विपदा के दौर में महाराष्ट्र के पालघर में हुई संतों की हत्या उपद्रवी लोगों की भीड़ ने की है। इसका क्लेश सबके मन में हैं। घड़ी में धैर्य रखकर सारी बातें करनी चाहिए। उसे लेकर बयानबाजी हो रही है। लेकिन ये कृत्य होना चाहिए? क्या, कानून हाथ में किसी को लेना चाहिए? पुलिस को क्या करना चाहिए? हमें अभी इन पर ध्यान ना देते हुए देशहित में सकारात्मक बनकर रहना चाहिए। घाटित जघन्य अपराध के लिए कान. ून अपना काम करेंगा।

तबलीगी जमात से जुड़े विवाद की तरफ इशारा करते हुए संघ प्रमुख आगे बोले कि अगर कोई डर या क्रोध से कुछ उलटा–सीध ाा कर देता है तो सारे समूह को उसमें लपेटकर उससे दूरी बनाना ठीक नहीं है। भड़काने वालों की कमी नहीं है और इसका लाभ लेने वाली ताकतें भी हैं। जिस तरह कोरोनावायरस का फैलाव अपने देश में हुआ है उसकी एक वजह यह भी है। श्री भागवत ने कहा, भारत तेरे टुकड़े होंगे..ऐसे कहने वालों से हमें बचना है, सावधान रहना है। हमारे मन में प्रतिक्रिया के रूप में कोई क्रोध नहीं होना चाहिए। सभी लोग भारत माता की संतान हैं। समाज के प्रमुख लोगों को यह बात देशवासियों को समझाने की जरूरत है। समाज में वैमनस्य का भाव नहीं पैदा करना है। समाज का सर्वांगीण विकास हमारी प्रतिज्ञा है।

अंततः संघ प्रमुख ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत ने जिस दवा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया था उसे दुनियाभर के देशों के मदद मांगने पर हटा दिया गया। हम लोग मदद में भी भेद नहीं करते है जो मदद मांगेगा हम उसकों मदद देंगे। दुनिया की भलाई के लिए खुद थोड़ा नुकसान उठाकर भी दूसरे देशों की मदद के लिए इसको भेजी है। भारत का सर्वदा ऐसा ही स्वभाव रहा है। सरकार के आयुष मंत्रालय ने जैसा काढ़ा बताया है वैसा प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पीएं। अतएव पूर्णबंदी की पाबंदी, शारिरीक दूरिया का पालन, मास्क का जरूरी इस्तेमाल और कोरोना योद्धाओं का दिल से सम्मान अवश्य करिए।

दैनिक पंचांग

04 मई 2020 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

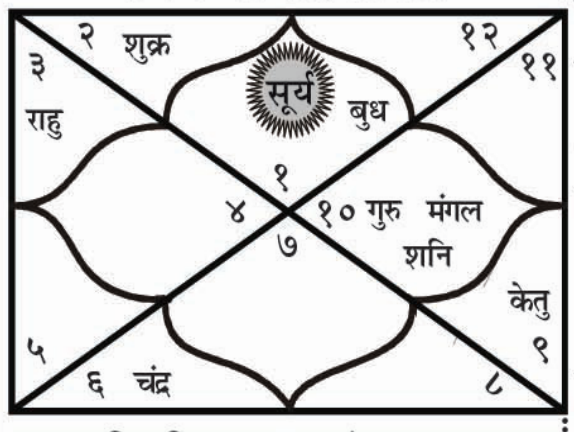

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	6.04 बजे से
चंद्र	कन्या में	मिथुन	8.02 बजे से
मंगल	मकर में	कर्क	10.16 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.32 बजे से
गुरु	मकर में	कन्या	14.44 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.54 बजे से
शनि	मकर में	वृश्चिक	19.09 ब.से
राहु	मिथुन में	धनु	21.25 बजे से
केतु	धनु में	मकर	23.30 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	1.17 बजे से
		मीन	2.50 बजे से
		मेष	4.20 बजे से

सोमवार 2020 वर्ष का 125 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2077 **शक संवत्** 1942 **मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल **तिथि** एकादशी 6.13 बजे तदनन्तर द्वादशी 02.54 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 19.19 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 8.35 बजे तदनन्तर हर्षण 04.44 बजे प्रात: को समाप्त। **करण** विष्टि 6.13 बजे, बव 16.36 बजे तदनन्तर बालव 02.54 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 10.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 16° 02 ' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1870508 **जूलियन दिन** 2458973.5 **कलियुग संवत्** 5121 **कल्पारंभ संवत्** 1972949121 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885121 **वीरनिर्वाण संवत्** 2546 **हिजरी सन्** 1441 **महीना** रमजान **तारीख** 10 **विशेष** गौण/वैष्णव मोहिनी एकादशी, परशुराम द्वादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बिहार लौटे मजदूरों अब दोबारा नहीं जाएंगे परदेश

नवादा । हरियाणा के पानीपत से मजदूरों का एक जत्था बिहार लौटा है। इन मजदूरों ने बताया कि कभी पैसे के खातिर अपना घर–परिवार छोड़ कर परदेश कमाने गए थे। मगर अब उसी पैसे की कमी के चलते गांव लौटने को मजबूर हैं। ज्यादातर मजदूरों का कहना है कि जहां नौकरी कर रहे थे, लॉकडाउन के चलते वहां से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। इसके बाद जब पैसा था, तब तक जिंदगी चल रही थी, मगर अब पैसे खत्म होते चले गए। ऐसे में घर लौटने के अलावा कोई और रास्ता नहीं रह गया था। घर आए इन लोगों के चेहरे पर परिवार की परवरिश की चिंता भी है। इन प्रवासियों ने कहा कि कम ही कमाएंगे, घर में ही कमाएंगे मगर अब ऐसी स्थिति में परदेश नहीं जाएंगे। बता दें कि ये सभी मजदूर पिछले सात–आठ सालों से हरियाणा के पानीपत में सूता फैक्ट्री में काम कर रहे थे। मगर, लॉकडाउन के चलते कामकाज ठप हो गया था और नौकरी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ऐसे में पैसे की कमी के कारण वापस लौटने को मजबूर होना पड़ा। लिहाजा पैदल इस लंबे सफर पर निकल गए। बीच रास्ते में कभी ट्रैक्टर तो कभी मालवाहक वाहनों का सहारा लिया। मजदूरों ने एक सुर में कहा कि घर लौटने के पीछे केवल एक ही मकसद था कि जब सभी तरफ से जीने का सहारा खत्म हो गया तो अंत मे घर ही एक सहारा बचा था। पैसे की कमी घर मे ही रहने के कारण हमलोग बाहर कमाने गए थे। मगर इस मुसीबत में घर ही सबसे ज्यादा काम आया। मजदूरों को इस बात कि कसक जरूर है कि घर पर काम की कमी जरूर है। मगर किसी तरह घर पर ही रहकर खेती किसानी कर घर वालों का पेट पालेंगे। फिलहाल सभी मजदूरों को निर्धारित समय तक क्वारंनटाइन सेंटर में रखा गया है।

पानीपत में 4 मीडियाकर्मियों समेत 11 लोग मिले कोरोना पॉजिटिव

पानीपत । हरियाणा में कोरोना वायरस के संक्रमण का सिलसिला थमता हुआ नहीं दिख रहा है। पानीपत जिले में एक ही दिन में 4 मीडियाकर्मियों समेत कुल 11 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए है। फिलहाल प्रशासन सभी को खानपुर पीजीआई भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ कोरोना संक्रमित मरीजों की हिस्ट्री ट्रेस करने पर जुटा हुआ है, जबकि मीडियाकर्मियों की हिस्ट्री से प्रशासन की परेशानी बढ़ सकती है। सीएमओ डॉक्टर संतलाल वर्मा ने बताया कि पानीपत में 4 पत्रकारों समेत 11 पॉजिटिव केस मिले हैं सभी को खानपुर पीजी. आई भेजा जा रहा है। साथ ही सभी के परिजनों और सहकर्मियों को क्वारंटाइन में रहने की हिदायत दी गई है। सभी की हिस्ट्री ट्रेस की जा रही है। वहीं पानीपत में अब कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 24 हो गई है, इनमें 5 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। वहीं 2 महीने पहले फरीदाबाद से पानीपत में टीबी का इलाज कराने आई 20 वर्षीय युवती कोरोना पॉजिटिव मिली है। वो पानीपत में अपनी बहन और जीजा के पास रह रही थी।फिलहाल कोरोना पॉजिटिव लड़की खानपुर पीजीआई में है। वहीं, स्वास्थ्य विभाग द्वारा उसके पूरे परिवार सहित 40 लोगो को क्वारंटाइन कर दिया है। बताया गया कि लड़की के जीजा का सैलून है. उनके सेक्टर के कुछ लोग घर पर बाल कटवाकर गए थे, वहीं कुछ लोगों के घर वो गया था। आशंका है कि सेक्टर निवासी ही किसी के संपर्क में आने से जीजा के माध्यम से घर पर युवती को संक्रमण हुआ हो। इस कारण सेक्टर में भी स्क्रीनिंग की जाएगी।

मोबाइल एटीएम से घरों तक पहुंचाया जा रहा कैश

मोतिहारी । कोरोना बन्दी में विभिन्न समस्याओं को लेकर डाक विभाग सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल जरुरतमंदों के घर तक रुपये पहुंचाने में डाक विभाग के कर्मी लगातार लगे हुए हैं। बिहार के पूर्वी चम्पारण के गांव–गांव में घर–घर तक अब रुपया पहुंचाने के लिए डाक विभाग ने चलन्त एटीएम शुरु किया है। इसे तीन और चार पहिया वाहन से डाककर्मी गांवों में घूम रहे हैं और लोगों को जरुरत के अनुसार रुपये दे रहे हैं। महज एक फोन कॉल पर डाक विभाग का एटीएम घर के दरवाजे पर पहुंचने से ग्रामीण इलाकों के लोगों में खुशी है। इसके बारे में डाक अधीक्षक रामनाथ शर्मा ने बताया कि किसी भी बैंक के आधार कार्ड से जुड़े खातों से पैसे का भुगतान डाक विभाग ग्राहकों के घर तक करना शुरु किया है। उन्होंने कहा कि ग्राहक किसी भी बैंक के खाता से दस हजार रुपये तक की निकासी कर सकता है। जिसका खाता आधार और मोबाइल नम्बर से लिंक हो। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ घर बैठे पहुंचाया जा रहा है। पेंशन की राशि भुगतान सहित सभी योजनाओं की राशि का भुगतान डाक विभाग के कर्मी कर रहे हैं। डाक अधीक्षक ने कहा कि कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव के लिए कर्मचारियों और ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर चलन्त डाक एटीएम की व्यवस्था की गई है।

बिहार में काला हिरण की तस्करी का हुआ खुलासा

पटना । बिहार में काला हिरण की तस्करी से जुड़े एक मामले का खुलासा हुआ है। दरअसल, पटना के कटेसर–अमनाबाद गांव के पास रात 8 और 9 बजे के करीब एक स्कॉर्पियो से हिरण लेकर जाने की सूचना पर गांव के लोगों ने पीछाकर उसे घेर लिया। स्कॉर्पियो रुकते ही उसमें हिरण देखकर युवाओं ने इसकी सूचना पुलिस को दी और उसका वीडियो बनाकर फेसबुक और व्हाट्सएप ग्रुप में वायरल कर दिया था। इस मामले में बालू माफिया गुड्डू खां का नाम आया। पुलिस टीम ने तत्काल वहां पहुंचकर हिरण को अपने कब्जे में ले लिया तथा स्कॉर्पियो को जब्त कर थाना ले आई। साथ ही उसके चालक मनेर थाना के मोहम्मद सलीम एवं पतीला गांव के बुधन राय को गिरफ्तार कर इसकी सूचना वन विभाग पटना की डीएफओ रुचि सिंह को दी। वहीं हिरण को पटना भेजकर उसे सुरक्षित स्थान पर रखवाया गया। बता दें कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए पूरी टीम के साथ डीएफओ बिहटा थाना पहुंची जहां गिरफ्तार चालक सलीम और उसके सहयोगी कपिल कुमार से पूछताछ कर उनके बयान रिकॉर्ड किये गए। जिसके बाद पुलिस से पूछताछ कर दोनों को साथ लेकर टीम पटना चली गई। दोनों के खिलाफ पीओआर में प्राथमिकी दर्ज कर आगे मिले सबूत के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। पटना की डीएफओ रुचि सिंह ने बताया कि जिस स्कॉर्पियो से काला हिरण की मादा प्रजाति को ले जाया जा रहा था। ये कानूनन दंडनीय अपराध है। फिलहाल पूरे मामले की वरीय अधिकारियों की निगरानी में समीक्षा कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में कोरोना के 92 नये मामले, अब तक 43 की मौत

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में रविवार को कोविड–19 के 92 नये मामले सामने आये हैं। इसके साथ ही राज्य में इस संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 2579 हो गयी है। सरकारी प्रवक्ता के मुताबिक राज्य में कोविड–19 के 92 नये मामले सामने आये हैं। अब तक कुल 2579 लोग इस संक्रमण की चपेट में आ चुके हैं। इनमें से 698 लोग ठीक हो चुके हैं, जबकि 43 की मौत हो चुकी है। अब प्रदेश में 1838 सक्रिय मामले हैं। उन्होंने बताया कि ये मामले प्रदेश के 75 में से 64 जिलों से आये हैं। राज्य के 64 में से छह जिलों में इस वक्त कोविड–19 संक्रमण का एक भी सक्रिय मामला नहीं है। सबसे ज्यादा 14 लोगों की मौत आगरा में हुई है। इसके अलावा मुरादाबाद में सात, मेरठ में छह, कानपुर में चार, फिरोज. ाबाद में दो तथा वाराणसी, अलीगढ़, मथुरा, श्रावस्ती, गाजियाबाद, अमरोहा,

योगी ने हंदवाड़ा शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू–कश्मीर के हंदवाड़ा में आतंकवादियों से मुठभेड़ में 21 राष्ट्रीय रायफल्स के शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा, मेजर अनुज सूद, नायक राजेश, लांस नायक दिनेश तथा जम्मू–कश्मीर पुलिस के शहीद सब–इंस्पेक्टर के शौर्य और वीरता को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इन शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने शहीदों की शहादत को शत–शत नमन करते हुए उनके परिजनों के प्रति अपनी संवेदना भी व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने ग्राम–परवाना, तहसील–सियाना, जनपद बुलन्दशहर के मूल निवासी शहीद कर्नल आशुतोष शर्मा के परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि कर्नल आशुतोष शर्मा की स्मृति

90 लाख की मारफीन बरामद, एक गिरफ्तार

मसौली बाराबंकी। मसौली पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक मार्फीन तस्कर को गिरतार कर तीन सौ ग्राम मार्फीन बरामद की जिसकी अंतराष्ट्रीय कीमत 90 लाख रूपये आंकी गयी है। लाकडाउन के दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ0 अरविन्द चतुर्वेदी के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप रावत को मुखबिर द्वारा जानकारी मिली कि बांसा कर्बला मोड़ पर एक युवक सन्दिग्ध रूप से खड़ा है जो मार्फीन तस्करी का कार्य करता है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक राघवेन्द्र प्रताप रावत, वरिष्ठ उपनिरीक्षक पण्डित त्रिपाठी, हेड कॉन्स्टेबल मो0 असलम , शिवमूर्ति सक्सेना, रामदुलारे यादव, प्रमोद कुमार सिंह ने मौके पर पहुंच कर युवक को हिरासत में लेते हुए जमातलाशी ली तो उसके कब्जे से 3 सौ ग्राम मार्फीन बरामद हुई जिसकी अंतराष्ट्रीय कीमत 90 लाख रूपये बतायी गयी है। पुलिस की गिरत में आया मार्फीन तस्कर फतेहखान पुत्र बाबू ग्राम बांसा थाना मसौली का है। पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध एनडीपीएस की कार्यवाही कर जेल भेज दिया है।

नासिक से 800 से अधिक श्रमिकों को लेकर पहली विशेष ट्रेन पहुंची लखनऊ

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के आठ सौ से अधिक श्रमिकों को लेकर महाराष्ट्र के नासिक से चली पहली विशेष ट्रेन रविवार को सुबह छह बजे राजधानी लखनऊ के चारबाग रेलवे स्टेशन पहुंची। कोरोना वायरस से संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन के चलते ये श्रमिक 25 मार्च से नासिक में फंसे हुए थे। देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान किसी दूसरे राज्य से प्रवासियों को लेकर उत्तर प्रदेश आने वाली यह पहली ट्रेन है। उधर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रवासी कामगार श्रमिकों के आगमन को देखते हुए निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के जिलों में कुल 12 से 15 लाख क्षमता के शेल्टर होम और क्वॉरेंटाइन सेंटर तैयार किए जाएं।

अपर मुख्य सचिव गृह, सूचना अवनीश अवस्थी ने शनिवार को पत्रकार वार्ता में बताया था कि उत्तर प्रदेश के मजदूरों को महाराष्ट्र के नासिक से लेकर आने वाली ट्रेन शनिवार को सुबह करीब साढ़े दस बजे वहां से रवाना हुई थी। उन्होंने बताया था कि महाराष्ट्र और गुजरात में रह रहे उत्तर प्रदेश के मजदूरों को लाने के लिये वहां के अधिकारियों से लगातार बातचीत हो रही है। यह विशेष ट्रेन झांसी तथा कानपुर होते हुये रविवार को सुबह लखनऊ पहुंची।

ट्रेन से उतरे यात्री सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुये मेडिकल जांच के बाद एक–एक करके स्टेशन से बाहर निकले इस दौरान उन्होंने जल्दबाजी नही दिखाई। स्वास्थ्य जांच पूरी होने के बाद यात्रियों को खाने का एक–एक पैकेट दिया गया और उन्हें अपने–अपने जिलों को जाने वाली बसो में बैठने को कहा गया। उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम ने यात्रियों को उनके अपने अपने जिलो में पहुंचाने के लिये रेलवे स्टेशन के बाहर बसों का इंतजाम किया था। उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने बताया कि परिवहन निगम ने रेलवे स्टेशन के बाहर 32 बसें लगायी गयीं। यह बसें प्रदेश के विभिन्न जिलों में वहां के यात्रियों को उनके जिलो तक पहुंचायेंगी। उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक राजशेखर ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि परिवहन निगम की बसों से 841 यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक भेजा गया। ज्यादातर यात्री प्रदेश के सिध्दार्थनगर, श्रावस्ती, कन्नौज और बहराइच के है।

घर में सो रहे युवक की गला रेतकर हत्या

सीतापुर । जिले में एक सोते हुए युवक का गला रेतकर हत्या का दी गई। घटना बीती रात की है और उस समय युवक घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। सुबह परिजनों को युवक खून से लथपथ मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। जानकारी के मुताबिक थाना संदना क्षेत्र के रामगढ़ के आमऊ गांव निवासी राजबह. ादुर पुत्र लक्ष्मण शनिवार की रात घर के बाहर सीसी रोड पर चारपाई डालकर सो रहे थे। राजबहादुर के साथ ही चारपाई पर उनका नौ वर्षीय पुत्र रूपकमल भी सो रहा था। सुबह परिवारजन सो कर उठे तो देखा राजबहादुर का शव गला रेता हुआ है और खून से लथपथ पड़ा था। खबर पाते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिवारजन ने बताया कि उनकी किसी से रंजिश भी नहीं थी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मासूम बच्ची से पड़ोसी ने किया दुष्कर्म

सीतापुर । जिले में जारी लॉकडाउन के बीच शनिवार देर शाम एक बच्ची के साथ दुष्कर्म हुआ। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। जानकारी के मुताबिक इमलिया थाना क्षेत्रान्तगत एक बच्ची शौच जा रही थी। उसी समय गांव के ही एक युवक ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इस मामले में पड़ोस के व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बच्ची का महिला अस्पताल में मेडिकल कराया जा रहा है। पुलिस आरोपी की तलाष कर रही है।

विधायक के गनर ने बच्ची के साथ किया दुष्कर्म

आजमगढ़ । जिले में रौनापार थाना क्षेत्र के एक गांव में सिद्ध र्थनगर के विधायक के गनर ने अपने पड़ोस की नौ साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। बच्ची को हवस का शिकार बनाने के बाद सिपाही घर से भाग कर ड्यूटी पर चला गया। बताया जाता है कि परिजनों की तहरीर के बाद भी सिपाही और विधायक का मामला होने से पुलिस ने रिपोर्ट नहीं दर्ज की। बाद में एक समाजसेविका के दबाव में शनिवार को रौनापार थाने की पुलिस ने आरोपी गनर के खिलाफ बलात्कार का मुकदमा दर्ज किया।

प्राप्त विवरण के मुताबिक रौनापार थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला का पति महाराष्ट्र के नासिक में नौकरी करता है। महिला अपने नाबालिग बच्चों के साथ घर पर रहती है। उसका पड़ोसी 22 वर्षीय प्रविंद सिंह सिद्धार्थनगर जिले के एक विधायक का गनर है। वह भी घर आया हुआ था। 27 अप्रैल की रात गनर महिला के छत पर चढ़ गया और उसकी नौ साल की मासूम बच्ची को डरा ध मकाकर दुष्कर्म किया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी फरार हो गया। पीड़िता ने रात में ही घटना से अपनी मां को अवगत कराया। मां रात में ही पड़ोसी युवक के घर पहुंच गई। आरोपी युवक सहित उसके परिवार के लोगों ने विवाद कर लिया और धमकी भी दी। घटना के अगले दिन पंचायत कर मामले को गांव के लोगों ने दबा दिया। गांव के लोगों से बचते बचाते मां पीड़ित बेटी को लेकर पास के एक गांव में समाजसेवी महिला के पास गई। समाज सेवी महिला ने घटना को थाना प्रभारी व उच्च अधिकारियों को अवगत करया। रौनापार थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने बताया कि नामजद रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

हेलीकॉप्टर से फूलों की बारिश कर कोरोना वॉरियर्स को दी गई सलामी

वायुसेना द्वारा फ्लाई पास्ट कर रायपुर के एम्स अस्पताल के ऊपर की गई फूलों की बारिश

रायपुर, (ईएमएस)। कोरोना महामारी में जान की परवाह किए बगैर दिन–रात सेवा में लगे डाक्टर्स, नर्स, पैरामेडिकल स्टॉफ, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मियों के उत्साह और सम्मान के लिए भारतीय सेना द्वारा आज फ्लाई पास्ट किया गया। राजधानी रायपुर के एम्स अस्पताल के ऊपर वायु सेना के हेलीकॉप्टर के जरिए फूलों की बारिश कर इन कोरोना वॉरियर्स का सम्मान किया गया।

मोबाईल दुकान में चोरी के आरोपी नाबालिग चोर गिरफ्तार ढाई लाख का माल बरामद

बिलासपुर । कहने को तो वह नाबालिग चोर थे लेकिन उन्होंने 54 मोबाइल फोन की चोरी की थी, जिसकी कीमत ढाई लाख रुपये से भी अधिक थी। लेकिन के शातिर चोर भी आखिरकार सिटी कोतवाली पुलिस के हत्थे चढ़ गए । जूना बिलासपुर कानपुर होटल के सामने मोबाइल रिपेयरिंग सेंटर है जिसके संचालक अंजर रब्बानी ने 30 अप्रैल

को सिटी कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए कहा था कि उनके दुकान से 54 मोबाइल फोन ,मोबाइल चार्जर इयरफोन, मोबाइल केबल की चोरी हो गई है। जिस पर मामला पंजीबद्ध कर पुलिस चोरों की तलाश कर रही थी । पुलिस ने रिपोर्ट लिखाने के मात्र 24 घंटे के भीतर ही चोरी करने वाले सभी आरोपियों को पकड़ डाला । ये सभी नाबालिग है लेकिन हैं शातिर चोर। पुलिस ने उनके पास से चोरी के मोबाइल और एसेसरीज भी बरामद कर लिया है लेकिन पुलिस की मजबूरी यह है कि इन सभी शातिर चोरों के खिलाफ वह कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर सकती ।

इन सभी को बाल न्यायालय पेश किया गया। बिलासपुर में होने वाली अधिकांश चोरी और अन्य अपराधों में इन्हीं नाबालिग अपराधियों का हाथ होने के बाद भी कानून के शिकंजे से यह लोग बच निकलते हैं क्योंकि कानून के महल में न जाने कितनी खिड़कियां हैं जहां से इनके लिए बच निकलना आसान होता है।

ईरानी समाज के लोगों ने आरती व पुष्प वर्षा कर पुलिस अधिकारियों का किया सम्मान

बिलासपुर । बिलासपुर के मेलापारा चांटीडीह स्थित ईरानी समाज द्वारा पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों का फूलों से स्वागत किया गया। ईरानी समाज द्वारा मेलापारा चांटीडीह में पहुंचे सरकंडा थाना क्षेत्र की सीएसपी निमिषा पांडेय एवं सिटी कोतवाली के थाना प्रभारी कलीम खान,व सरकंडा थाना के थाना प्रभारी श्री शनिप रात्रे और उनके साथ पहुंचे दोनों थानों के बीसियों पुलिसकर्मियों का पुष्प वर्षा कर भावभीना स्वागत किया गया।इस दौरान कॉग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव सरताज अली ने कहा कि, पुलिस कर्मियों, स्वास्थ्य कर्मियों, सफाईकर्मियों तथा मीडियाकर्मियों के कारण ही कोरोना महामारी के संकट में हम सब पूरी तरह महफूज सुरक्षित हैं। अगर इन्होंने अपनी पूरी ऊर्जा झोंक कर समर्पण भाव से देश समाज और हम सब की कोरोना संक्रमण से रक्षा करने में ठोस भूमिका अदा नहीं की होती।तो पता नहीं आज हम सब का क्या हाल होता ? इस दौरान पुलिस अधिकारियों एवं समस्त पुलिसकर्मियों ने लोगों से अपील की है कि, लॉक डाउन के सभी नियमों का कड़ाई से पालन करें। और घर में रहे तथा सुरक्षित रहें।

लॉकडाउन की वजह से फंसे घर वापसी के इच्छुक व्यक्ति वेबसाईट पर कर सकते हैं पंजीयन

धमतरी, । कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए लॉकडाउन की वजह से अन्य जिलों अथवा प्रदेशों में फंसे व्यक्तियों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा वापसी की व्यवस्था की जा रही है। धमतरी जिले में भी इसके तहत प्रशासनिक व्यवस्था की गई है। मिली जानकारी के मुताबिक धमतरी जिले के निवासी ऐसे व्यक्ति जो अन्य जिले अथवा राज्यों के ऐसे स्थान जहां हॉटस्पॉट नहीं हैं, में फंसे हैं, वहां से आने अथवा धमतरी जिले से अन्य जिलों में वापस जाने के इच्छुक व्यक्ति वेबसाईट http://cglabour.nic.in/covid19Migrant-RegistrationService.aspx पर जाकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। साथ ही जिला कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07722–232249 अथवा जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष के व्हाट्सएप नंबर 93012–53594 पर सम्पर्क किया जा सकता है। इसके अलावा नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर जितेन्द्र कुमार कुर्रे के मोबाईल नंबर 94063–52551, सहायक नोडल अधिकारी सुश्री अर्पिता पाठक मोबाईल नंबर 81037–99568 अथवा सहायक श्रम पदाधिकारी अजय हेमंत देशमुख के मोबाईल नंबर 93298–30003 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

नशे में धुत्त युवक ने दो युवकों पर चलाई गोली

झांसी । उत्तर प्रदेश के ललितपुर में नशे में धुत एक युवक ने अपने गांव के ही दो युवकों पर फायरिंग कर दी। इसी दौरान किसी ने अपने मोबाइल से युवक का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया में डाल दिया। हालांकि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ हैं। वहीं इस घटना की शिकायत महरौनी कोतवाली में की गई है। यहां के लोग पुलिस पर इस मामले को हल्के में लेने का आरोप लगा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने इस घटना के बारे में जब पुलिस अधीक्षक कैप्टन एमएम बेग से बात की तो उन्होंने कहा कि आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि असलहे का इस प्रकार प्रदर्शन ठीक नहीं है। बता दें कि हाल ही में जिले में फायरिंग की दो घटनाएं सामने आ चुकी है, जिसमें एक घटना में तो गोली लगने से पति–पत्नी की मौत भी हो चुकी है। इस सब के बाबजूद फायरिंग की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

(रंगसंसार)

सलमान की तरह सुपरस्टार बनना चाहती हैं हर्षाली

फिल्म 'बजरंगी भाईजान' में पाकिस्तानी लड़की मुन्नी के रोल में अपनी ऐक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं हर्षाली कई टीवी सीरियल्स का भी हिस्सा रही हैं। उन्होंने कई ऐड फिल्में भी की हैं। हर्षाली को ऐक्टिंग के अलावा सिंगिंग भी पसंद है और वह सलमान खान की तरह बड़ी सुपरस्टार बनना चाहती हैं। 'बजरंगी भाईजान' में हर्षाली का किरदार एक गूंगी लड़की का था लेकिन रियल लाइफ में वह खूब बोलती हैं। हर्षाली की मां ने बताया था कि कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा इतना परेशान हो जाते थे कि उसे कैसे चुप कराया जाए। साल 2015 में रिलीज हुई सलमान खान स्टारर फिल्म 'बजरंगी भाईजान' को खूब पसंद किया गया था। डायरेक्टर कबीर खान की इस फिल्म में 'मुन्नी' यानी हर्षाली मल्होत्रा भी अहम रोल में थीं। भले ही उनके पास डायलॉग्स नहीं थे लेकिन अपने एक्सप्रेशन्स से उन्होंने लोगों का दिल जीत लिया था। बड़ी होने के साथ ही हर्षाली अब सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स पर भी काफी ऐक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक मजेदार टिकटॉक वीडियो पोस्ट किया। इसमें वह कहती हैं, '3 मई को मोदीजी फिर आएंगे। बोलेंगे– मितरो, मैं 0 लगाना भूल गया था, लॉकडाउन 30 मई तक का है।'

श्वेता तिवारी ने याद किये अपने पुराने दिन

टेलीविजन स्टार श्वेता तिवारी ने अपने स्वंतत्रता के दिन याद कर रही हैं। उन्होंने अपनी इन यादों को प्रशंसकों के साथ शेयर किया है। श्वेता ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है। इस तस्वीर में उन्हें एक पार्क में बैठे, हाथ में फोन लिए देखा जा सकता है। बता दें कि उन्होंने तस्वीर को कैप्शन दिया कि ष्थ्रोबैक टू व्हेन वी टुक फ्रीडम फॉर ग्रांटेड।ष यानी वे दिन जब हम आजादी को कोई महत्व नहीं देते थे। इस तस्वीर को 88.7 हजार लाइक्स मिले हैं। बता दें कि श्वेता ने राजा चौधरी से शादी की थी, जिनके साथ उनकी एक बेटी पलक है। अभिनेत्री ने घरेलू हिंसा का आरोप लगाते हुए राजा को तलाक दे दिया। इसके बाद 2013 में उन्होंने अभिनव कोहली से शादी कर ली। इस शादी से श्वेता को एक बेटा है, जिसका नाम रेयांश है।

शोभिता ने फोटोशूट विवाद में किया खुद का बचाव

अभिनेत्री शोभिता धूलिपाला पर एक मैक्जीन फोटोशूट में 'सेल्फ टाइमिंग' के झूठे दावे करने का आरोप लगा है। ऐसे में उन्होंने आत्मरक्षा में एक बयान जारी किया। दरअसल, कुछ दिनों पहले शोभिता ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की थीं, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने सेल्फ–टाइमर के साथ तस्वीरें क्लिक किया है। मगर, स्नैपशॉट के बाद उनके दावे की सत्यता जांच में आ गई, जिसमें शोभिता को एक व्यक्ति द्व ारा उसकी छत पर क्लिक किए जाने की बात सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिसके बाद अभिनेत्री ने आत्मबचाव करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। अभिनेत्री ने लिखा कि ष्न तो उसे कॉस्मा. `पॉलिटन द्वारा इस्तेमाल की गई तस्वीर थी और न ही मैं पत्रिका के साथ इस अद्भुत सहयोग पर गर्व करती हूं। मैंने इसे केवल आधिकारिक लोगों के साथ पोस्ट किया क्योंकि मुझे यह पसंद है। मैं मानती हूं कि मुझे यह उल्लेख करने के लिए कैप्शन टेक्स्ट में बदलाव करना चाहिए था कि दूसरी छवि पत्रिका शूट का हिस्सा नहीं थी। काश मेरे पास एक और रोमांचक, नाटकीय कहानी होती लेकिन अफसोस, सच्चाई अक्सर सादे वस्त्र पहनती है

ऋचा चड्ढा सीख रही ऑनलाइन डांस

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने लॉकडाउन के बीच ऑनलाइन डांस सीख रही है। इस पर उनका कहना है कि वर्चुअल लर्निंग एक अनूठा अनुभव है। बता दें कि कोरोनोवायरस महामारी के कारण चल रहे बंद में ऋचा खाना पकाने, नई स्क्रिप्ट विकसित करने और अब डांस जैसी कई रचनात्मक चीजें कर रही हैं। वह स्वास्थ्य पर भी ध्यान देती हैं। ऋचा ने कहा कि ष्नृत्य वास्तव में मेरे लिए एक चिकित्सा अनुभव है। मैं बहुत खुश हूं कि मेरे पास बैली डांस सीखने के लिए, समर्पित अभ्यास करने के लिए समय है।ष उन्होंने कहा, ष्मैं इस रूप का आनंद लेती हूं, क्योंकि यह हमारी दैवीय ऊर्जा को चैनलाइज करता है। इसे वर्चुअल तरीके से सीखने का एक अनूठा अनुभव है। अब पूरी दुनिया इसी ओर जा रही है, क्योंकि इस समय में यही जीवन का नया सामान्य तरीका बन गया है।ष बता दें कि इस दौरान ऋचा ने अपनी फिल्म 'शकीला' की तैयारी के तहत रक्स बैली नृत्य सीखना शुरू कर दिया था। उन्हें यह डांस बहुत आकर्षक लगा और पिछले साल मई में कजाकिस्तान में उन्होंने एक कोर्स किया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएमटी के छात्र ने डिप्रेशन में आकर लगाई फांसी

चूरू । राजस्थान के चूरू जिले में लॉकडाउन के बाद से अपने घर पर रहकर पीएमटी की तैयारी कर रहे एक 19 वर्षीय छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद अस्पताल पहुंची कोतवाली थाना पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि वार्ड संख्या 24 निवासी 19 वर्षीय चर्चित जांगिड सीकर में मेडिकल की तैयारी कर रहा था। मगर, लॉकडाउन के कारण वह घर पर ही अपनी पढ़ाई कर रहा था।

परिजनों ने बताया कि इस दौरान वह डिप्रेसन में था और अधिकतर अपने पढ़ाई के कमरे में ही रहने लगा था। इसके चलते देर शाम जब परिजन टीवी देखने के बाद चर्चित के कमरे में पहुंचे तो वह फांसी के फन्दे पर झुलता मिला।

कोतवाली पुलिस ने कहा कि मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, परिजनों ने प्रथमदृष्टया मानसिक अवसाद खुदकुशी की वजह बताई है। वहीं, चूरू जिला मुख्यालय के वार्ड संख्या 37 बिसमिल्लाह मस्जिद के पास देर रात लॉक डाउन में मुर्गी बेचने की बात को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्षों में खूनी संर्घष हो गया। दोनो तरफ से लाठियों–पत्थरों से हुए हमले में वार्ड 37 के पार्षद सहित 7–8 लोग घायल हो गए। इधर, सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस को भी पथराव का सामना करना पड़ा।

इस दौरान पुलिस को फसाद को रोकने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजस्थान में कोर्ट का बदला समय, HC का ये होगा टाइम

जयपुर । राजस्थान में हाई कोर्ट से लेकर प्रदेश की समस्त अदालतों के समय बदल गया है। अब सोमवार से अदालतें मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होगी। यह फैसला मुख्य न्यायाधीश इंद्रजीत मोहन्ती की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया। हालांकि लॉक डाउन के चलते फिलहाल ढाई घंटे ही कोर्ट में सुनवाई के लिए समय तय किया गया है। हाई कोर्ट जोधपुर और जयपुर पीठ में सुबह 8 बजे से 1 बजे तक सुनवाई होगी। दरअसल, प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में करीब 17 लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। उच्च न्यायालय में करीब साढ़े 4 लाख से ज्यादा मामले पेंडिग चल रहे हैं।

4 मई से 8 जून तक प्रदेश की अदालतें मॉर्निंग शिफ्ट में संचालित होंगी। वहीं कार्यालय समय सुबह 7 बजकर 30 मिनट से रहेगा। इसी तरह अधीनस्थ अदालतों में सुनवाई सुबह 8 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगी, जबकि कार्यालय समय सुबह साढ़े सात बजे से शुरू होगा। बता दें कि लॉक डाउन में बढ़ा सुनवाई के समयलॉक डाउन 3.0 में अदालतों में सुनवाई के समय मे आधे घंटे की बढ़ोतरी की गई है।

राम के नाम पर ठगा जा रहा गरीबों के हिस्से का राशन

धौलपुर । राजस्थान के धौलपुर में भगवान के नाम पर गरीबों के हिस्से का राशन को ठगा जा रहा है। इस फर्जीवाड़े में हिंदू धर्म की मान्यताओं को ही बदल कर रख दिया है। अलग–अलग युग में भक्तों के दुख हरते आए भगवान के अवतारों को एक ही परिवार में सम्मिलित कर लिया। बता दें कि राशन कार्ड में मुखिया ठाकुर जी महाराज ने उनकी पत्नी सीता के अलावा पुत्र के रूप में भगवान श्रीराम लक्ष्मण, सालिगराम, महादेव और कार्ड बनवाने वाले पुजारी का भी नाम शामिल किया गया। इस कार्ड में फोटो की जगह उसी गांव में बने हुए एक मंदिर की तस्वीर लगी हुई है।

इस राशन कार्ड से हर महीने गेंहू उठाए जाते हैं। लंबे समय से खाद्य सुरक्षा योजना का फायदा उठाते हुए भगवान के इस परिवार ने घर के प्रत्येक सदस्य के हिसाब से 35 किलो गेहूं प्रतिमाह राशन की दुकान से उठाया है।

हालांकि जब नए राशन डीलर ने राशन कार्ड में भगवान के परिवार को देखकर उसकी जानकारी जिले के अधिकारियों को दी। धौलपुर जिले की मरहोली ग्राम पंचायत के अररुआ गांव में भगवान की ओर से राशन लिए जाने का मामला सामने आने के बाद हमने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की तो पता चला।

कि गांव में मौजूद भगवान ठाकुर जी महाराज और उनकी पत्नी का एक मंदिर बनाया हुआ है और प्रतिमाह 35 किलो गेहूं राशन के तौर पर लिया है। भगवान के नाम पर गेहूं उठाने वाले परिवार ने बताया कि 4 वर्ष पहले तक उनका परिवार मंदिर का पुजारी था।

लेकिन अब गांव के कुछ दबंग लोगों ने मंदिर पर कब्जा कर भगवान के परिवार के राशन कार्ड पर गेहूं उठाना शुरू कर दिया है। जिला रसद अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि मार्च माह तक राशन उठा चुके अलग–अलग युगों के भगवान के एक ही परिवार के रूप में सामने आने पर सरकारी सिस्टम से जुड़े लोगों के कान खड़े हो चुके हैं। अधिकारी ने मामले की जांच के आदेश जारी कर प्रवर्तन निरीक्षक को मामले की जांच सौंपी है।

लेट आने पर डांटा तो बीएसएफ जवान ने पोस्ट कमांडर को मारी गोली, फिर की खुदकुशी

श्रीगंगानगर (ईएमएस)। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के हवलदार शिवचन्द्र ने कहासुनी होने के बाद पोस्ट कंमाडर आरपी सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद शिवचंद ने खुद को भी गोली से उड़ा लिया। इस घटना में दोनों की मौत हो गई है।

मामला हिन्दूमल कोट थाना क्षेत्र में स्थित बीएसएफ की रेणुका चेकपोस्ट का है। बीएसएफ के सूत्रों के अनुसार, सुबह 6:20 बजे रेणुका पोस्ट पर यह घटना हवलदार शिवचंद्र के ड्यूटी पर कुछ मिनट की देरी से आने की बात को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। बताया जाता है कि ड्यूटी पर 15–20 मिनट देरी से आने पर पोस्ट कमांडर सब इंस्पेक्टर आरपी सिंह द्वारा पूछने पर हवलदार शिवचंद्र आवेश में आ गया। दोनों में बहसबाजी हो गई।

इसी दौरान गुस्साए शिवचंद्र ने राइफल से सब इंस्पेक्टर आरपी सिंह पर गोली चला दी। साथ ही खुद को भी गोली मार ली।

इस घटना में दोनो की ही घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

दोहरे हत्याकांड की जानकारी मिलते ही श्रीगंगानगर के बीएसएफ के सेक्टर हेडक्वार्टर से उच्च अधिकारी रेणुका चेकपोस्ट के लिए रवाना हो गए हैं

जेडीए ने 726 व्यक्तियों को किया डिस्चार्ज

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा संचालित क्वारेंटिन सेंटर पर 2721 व्यक्ति रजिस्टर्ड किये गये, जिनमें नेगेटिव आने पर 726 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। क्वारेंटिन व्यक्तियों की जेडीए अधिकारी एवं कर्मचारी कोरोना वारियर्स बनकर सेवा कर रहे हैं। साथ ही क्वारेंटिन सेंटर पर क्वारेंटिन व्यक्तियों को आवश्यकता की सभी वस्तुएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा कोविड–19 के अन्तर्गत वर्तमान में अजमेर रोड़ एवं सीतापुरा क्षेत्र में 07 संस्थानों क्वारंटीन सेंटर्स संचालित किये जा रहे है। इन क्वारेंटिन सेंटर्स पर 2 मई तक 2721 व्यक्ति रजिस्टर्ड किये गये, जिनमें नेगेटिव आने पर 726 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया है। क्वारेंटिन सेंटर्स पर क्वारेंटिन व्यक्तियों को जेडीए द्वारा प्रातः चाय, बिस्किट, एवं नाश्ता, दोपहर भोजन, सांय चाय एवं रात्रि का भोजन गुणवत्तायुक्त एवं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करवाया जा रहा है। क्वारंटीन व्यक्तियों को जेडीए द्वारा कमरा, गद्दा, तकिया, दो बेडशीट, मग, बाल्टी, साबुन, सेनेटाइजर, मास्क, टूथपेस्ट, टूथब्रुश इत्यादि के अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार अन्य सामग्री राज्य सरकार के मापदण्डों के अनुरूप जेडीए की ओर से उपलब्ध करवाये जा रहे है। क्वारेंटिन सेंटर्स पर अधिशाषी अभियन्ता स्तर के प्रभारी, साथ ही इनके सहायक के रूप में सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता, लेखाकार, सहायक एवं कनिष्ठ सहायक को लगाया गया है। इसके अतिरिक्त सेन्टर्स पर आरएएस अधिकारी पर्यवेक्षण हेतु नियुक्त किये गए है। सभी अधिकारी एवं कर्मचारी कोरोना वारियर्स बन कर क्वारेंटिन लोगों की सेवा कर रहे है।

कोटा के इंजीनियर ने बनाया एंटी कोरोना स्ट्रेचर

कोटा। राजस्थान के कोटा में एक मैकेनिकल इंजीनियर अतुल शर्मा ने कोरोना संक्रमितों के लिए एक एंटी कोरोना स्ट्रेचर तैयार किया है। बता दें कि इंजीनियर अतुल शर्मा कैंसर की गंभीर बीमारी से मुक़ाबला कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये स्ट्रेचर कोरोना के संक्रमण को रोकने में सहायक होंगे। बता दें कि कोरोना वायरस से बचाव के लिए केंद्र और राज्य सरकार, जिला प्रशासन और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग मिलकर भरसक प्रयास कर रहे हैं। इन विषम परिस्थितियों में इनका हाथ बंटाने के लिए कई सामाजिक संस्थाएं भी आगे आईं हैं। सबका एक ही प्रयास है

कि कोरोना वायरस से मुक़ाबले में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाए। ऐसी कोशिशें पहले से ही किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे व्यक्ति द्वारा की जाएं तो इसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम है। इस स्ट्रेचर को खासतौर पर कोविड–19 से प्रभा. वित मरीजों के लिए ही तैयार किया गया है। इस एन्टी कोविड स्ट्रेचर के लिए अतुल शर्मा ने विशेष डिज़ाइन तैयार कर इसमें तीन फिल्टर लगाए हैं। यह फिल्टर्स रोगी के खांसते या छींकते वक्त उसके मुंह से निकलने वाले वायरस को फैलने से रोकेंगे। इससे आस–पास के लोगों को वायरस से संक्रमित होने का कोई खतरा नहीं रहेगा। साथ ही स्ट्रेचर में ऑक्सीजन की उपलब्धता बनाए रखने की व्यवस्था भी की गई है। इन एन्टी कोरोना ऐक्रेलिक केबिन स्ट्रेचर का निर्माण कोटा में ही किया गया है। ये स्ट्रेचर अस्पतालों में कोविड मरीजों की सार–संभाल करने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगे

डरें न घबरायें, सिर्फ सावधान रहें डॉ. परिमल स्वामी ने पुलिस कर्मियों को दिये महत्वपूर्ण सुझाव

जबलपुर, । कोरोना से डरें न घबरायें, सिर्फ सावधान रहें। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिये रोजाना सडक़ पर ड्यूटी कर रहे पुलिस कर्मियों को यह मंत्र दिया है नगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ परिमल स्वामी ने। उन्होंने पुलिस बल के जवानों से कहा कि कोरोना वायरस कोविड –19 वैश्विक महामारी से लडऩे के लिये उच्च मनोबल एवं आत्म विश्वास की आवश्यकता है। डॉ स्वामी शनिवार को पुलिस लाइन परेड मैदान में एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा के की पहल पर जवानों को संबोधित करने पहुँचे। डॉ. परिमल स्वामी ने सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुये पुलिस परेड ग्राउंड में उपस्थित 20 अधिकारी/कर्मचारियों

को बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमण से डरने एवं घबराने की जरूरत नहीं है, सिर्फ सावधानी बरतने की जरूरत है, कोरोना वायरस मुंह, नाक, आंख से प्रवेश करता है, जिसे ध्यान में रखते हुये ड्यूटी के समय मुंह पर हमेशा मास्क लगाकर रखें, हर आधा–एक घंटे में सैनेटाईजर से हाथ को सेनेटाईज करें अथवा साबुन पानी से अच्छी तरह धोयें, हाथ को किस तरह धोना एवं सेनेटाईज करना है के सम्बंध में भी आपने बताया। जब भी ड्यूटी से घर वापस जायें गर्म पानी से नहाये, कपड़ों को साबुन पानी में भिगो दें, पहने हुये कपडों को बिना धोये दोबारा उपयोग न करें।

शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने हेतु पौष्टिक भोजन के साथ साथ फल खायें, 6–7 घंटे की नींद लें, हल्का व्यायाम करें, इसके साथ ही विटामिन सी, जिंक, एवं विटामिन डी की गोली भी खा सकते हैं, इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढती है। दूसरे देशों की तुलना में हमारे भारत देश मे कोरोना वायरस से मृत्यु की दर लगभग 3 प्रतिशत पायी गयी है जो कि बहुत ही नगण्य है, इसलिये घबराने की कोई जरूरत नहीं हैं, तनाव रहित रहें, क्योकि तनाव शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को घटाता है। आपने सभी की शंकाओं का समाधान भी किया।

डॉ. परिमल स्वामी द्वारा पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों का मनोबल बनाये रखने हेतु सप्ताह के प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को शाम 5–30 बजे से 6–30 बजे के बीच परामर्श दिया जायेगा, एवं शंका का समाधान किया जायेगा।

राजस्थान सीमा पर पूरी गंभीरता से स्क्रीनिंग करें–नोडल अधिकारी

जयपुर । कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जयपुर जिले के नोडल अधिकारी ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने जिला प्रशासन जयपुर के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जयपुर जिले में बाहर के राज्यों से सडक़ मार्ग से आने वाले लोगों की राजस्थान सीमा पर पूरी गंभीरता से स्क्रीनिंग की जाए एवं किसी भी व्यक्ति में कोरोना संक्रमण के लक्षण मिलने पर तुरन्त हॉस्पिटलाइज कराया जाए। इसके लिए कुछ अधिकारियों को राज्यों के सीमावर्ती जिलों में लगाया जाए एवं इसी तरह रेल से आने वाले लोगों के लिए रेलवे जंक्शन पर चैक पोस्ट स्थापित कर स्क्रीनिंग की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। शर्मा ने जयपुर जिला कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन, नगर निगम, पुलिस एंव आईटी विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर यह निर्देश दिए। जिले में आने वालों की अपडेटेड संख्या के अनुसार स्क्रीनिंग टीमों की पूर्व व्यवस्थाएं रखनी होंगी। कई ऐसे लोगे भी जिले में आ सकते हैं जिनमें कोरोना संक्रमित होने के बावजूद लक्षण नहीं दिखाई दे रहे होंगे। उन्होंने कहा कि आने वाले लोगों की शत प्रतिशत ट्रेकिंग होनी चाहिए क्योंकि एक भी कोरोना संक्रमित प्रशासन की जानकारी से छूटना नहीं चाहिए। नोडल अधिकारी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बाहर के जिलों से लौटने वाले लोगों के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि गांव के सरपंच को भी उनकी जानकारी रहनी चाहिए एवं सभी उपखण्ड अधिकारी, विकास अधिकारी एवं चिकित्सा अधिकारियों के पास उनके मोबाइल नम्बर, नाम, पते उपलब्ध रहने चाहिए।

स्वास्थ्य विभाग अपनी नाकामी पर पर्दा डालने जुटा

जबलपुर.। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित हनुमानताल थाना अंतर्गत मुस्लिम बाहुल्य इलाका चांदनी चौक में फैला कोरोना का संक्रमण अब कई सवाल खड़े कर रहा है. जिला प्रशासन और स्वास्थ्य महकमे द्वारा किए जा रहे सर्वे में इस बात का खुलासा हुआ है कि कोरोना. वायरस संक्रमण इस इलाके में मृत हुई कोरोना पॉजिटिव शायदा बेगम से नहीं बल्कि किसी बाहरी से फैला है. हैरानी की बात तो ये है कि इलाके में सघन सर्वे कर रहे जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी इस मामले में उल्टा कह रहे हैं कि क्षेत्र में कोई ना कोई ऐसाा बाहरी व्यक्ति घूम रहा है जो कोरोना संक्रमण फैला रहा उन्होंने साफ तौर पर तो कुछ नहीं कहा लेकिन यह जरूर कहा की क्या कुछ लोग बाहर से आए जो ट्रैवल हिस्ट्री छुपा रहे हैं लिहाजा जमातीयो पर संदेह पैदा होने को लेकर सुधरी जनप्रतिनिधियों में ब्लॉक रोष व्याप्त हो गया मुस्लिम समाज की नुमाइंदगीी करने वालों ने इसे स्वास्थ्य विभाग के अमले पर ही उल्टेटे सवा लोग कह रहे हैं कि अपनी लापरवाही पर स्वास्थ्य विभााग पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है

शायदा बेगम को किसी बाहरी ने किया संक्रमित ...

कभी कोरोना से जंग लड़ने में सबसे बेहतर हाल में रहे जबलपुर शहर में अचानक कोरोना का आंकड़ा सेंचुरी के करीब पहुंच गया है. इस आंकड़े में अकेले मुस्लिम बाहुल्य इलाके से 39 लोग संक्रमित हो गए है. अब तक इसे लेकर ये अवधारणा सामने आई थी कि 20 अप्रैल को पॉजिटिव पाई गई शायदा बेगम की डैडबॉडी से संक्रमण फैला है, लेकिन प्रशासन ने अब जाकर इस तथ्य को नकार दिया है. जिले के सीएमएचओ डॉ मनीष मिश्रा ने बड़ा खुलासा करते हुए ये बताया है कि चांदनी चौक में फैले कोरोना का कारण शायदा बेगम नहीं बल्कि बाहरी राज्य से आया कोई व्यक्ति है. 65 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव पाई गई शायदा बेगम की रिपोर्ट तब आई जब उनका इंतकाल हो गया और उनके शव को सुपुर्द– ए– खाक भी कर दिया गया था.

स्वास्थ्य विभाग कहीं अपनी नाकामी पर पर्दा तो नहीं डाल रहा.....

दूसरी ओर यह भी कहा जा रहा है कि कोरोनावायरस से संक्रमित मरहूम शाहिदा बेगम का शव बिना रिपोर्ट आए सौंप दिए जाने और इसमें कोरोनावायरस के प्रोटोकॉल का पालन नहीं किए जाने से जनप्रतिनिधियों के आक्रोश और जनता के आक्रोश को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग का अमला अपनी नाकामी और परेशानी पर पर्दा डालने की कोशिश तो नहीं कर रहा क्षेत्र की जनता भी बेहद आक्रोशित है तो वहीं सियासत इसे जमात का संदेह होना बताकर जहां प्रशासन को सहयोग करने की बात कर रहा है तू इस मुद्दे का राजनीतिकरण भी तेजी से होने लगा जबकि वक्त सियासत का नहीं जात पात का नहीं आपस में मिलजुल कर जातिवाद संप्रदायवाद और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से परे रहकर संघर्ष करने और प्रशासन का सहयोग करने का समय है

सामूहिक दुष्कर्म के फरार तीन आरोपी गिरफ्तार

श्योपुर पुलिस ने गैंगरेप के मामले में फरार चल तीन इनामी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी ने फरार आरोपितों पर 2–2 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। जानकारी के अनुसार विजयपुर एसडीओपी वीरेन्द्र कुशवाह के निर्देशन में रघुनाथपुर थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह राजपूत, ओछापुरा थाना प्रभारी अंकिता भार्गव ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मोरेका तिराहे से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपितों में सोनू उर्फ केडी पुत्र नारायण हरदैनिया, विष्णु पुत्र मुरारी शर्मा निवासी ओछापुरा एवं दिनेश पुत्र रामहेत शर्मा निवासी स्यारदा के नाम शामिल है। पकडे गए आरोपी

20 फरवरी को टर्राकलां गांव से एक महिला को जबरन पकड़कर ले गए थे। इन आरोपियों ने महिला को जयपुर आदि शहरों में रखकर कई दिनों तक उसके साथ दुष्कर्म किया। जिनके खिलाफ रघुनाथपुर थाने में 366,376 डी, 343,506 के तहत मामला दर्ज है।

प्रेमिका ने फोन नहीं उठाया तो गोली मारकर कर ली आत्महत्या

भिंड जिले के बरोही थाना क्षेत्र में स्थित लावन गांव में एक युवक ने अपनी प्रेमिका को फोन किया जब प्रेमिका ने फोन नहीं उठाया तो तो युवक ने तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर दी पुलिस ने मामले की जांच प्रारंभ कर दी! जानकारी के अनुसार बरोही थाने के लावन गांव में रहने वाले राजकुमार जाटव 25: किसी लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था बीते रोज उसने अपनी प्रेम का को किसी दूसरे नंबर से फोन लगाया तो प्रेमिका ने फोन नहीं उठाया इसके बाद युवक ने गांव के स्कूल परिसर में जाकर स्वयं को तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है!

नवविवाहिता के फॉसी लगाकर खूदकूशी के कारणो की जांच जारी

भोपाल। राजधानी के मिसरोद इलाके के सीआरपीएफ आवासीय कैंप में नवविवाहिता द्वारा शुक्रवार देर रात फांसी लगाकर खुदकूशी किये जाने के कारणो का फिलहाल खूलासा नही हो सका है। पुलिस के मुताबिक शुरुआती जांच मे सामने आया है कि घटना के पहले मृतका का अपने पति से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद उसने अपने आप को कमरे में बंद कर लिया था। मिसरोद पुलिस के अनुसार बंगरसिया के सीआरपीएफ कैंप में रहने वाली डोली बुंदेला (21) ने शुक्रवार रात दस बजे अपने कमरे में दुपट्टा का फंदा बनाकर फांसी लगा ली थी। काफी देर बाद जब परिवार वालो ने उसके शरीर का फंदे पर झूलता देखा तो वह उसको फंदे से उतारकर तुरंत ही इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार सीआरपीएफ में पदस्थ आरक्षक पुष्पेंद्र सिंह बुंदेला अपने छोटे भाई वीरेंद्र बुंदेला के साथ रहता है। वीरेंद्र बुंदेला प्राइवेट ट्रांसपोर्ट कंपनी पर कार्य करता है। वीरेंद्र बुंदेला की शादी मृतका डोली से दो साल पहले ही हुई थी, ओर उनका 2 माह का बच्चा है। बताया जा रहा है कि बच्चे की देखभाल की बात पर शुक्रवार शाम को पति–पत्नी के बीच कहासूनी हुई थी। मामले की आगे की जांच मे पति सहित मृतका के माता–पिता के ब्यानो को दर्ज किया जायेगा, साथ ही अन्य बिदुंओ की भी जांच की जा रही है। जांच पूरी होने पर ही आत्महत्या के कारणो का खूलासा हो सकेगा, जिसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

छात्रो का अपहरण करने वाले आदतन बदमाशो की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

भोपाल । राजधानी के पिपलानी थाना इलाके में शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात बीफार्मा के एक छात्र का बदमाशो द्वारा अपहरण मारपीट किये जाने की घटन मे पुलिस ने चार आरोपियो के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया है। बताया गया है कि आरोपियो मे दो छात्र भी हैं। मामले मे पुलिस ने दो आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उनके दो फरार साथियो की तलाश जारी है। मामले मे पिपलानी थाना पुलिस से मिली जानकारी अनुसार राजीव नगर सब्जी मंडी के पास रहने वाला महेंद्र चौहान बीफार्मा का छात्र है,

जो अपने आशीष समेत चार दोस्तों के साथ रहता है। आरोप है कि शुक्रवार–शनिवार की दरमियानी रात करीब दो बजे अंशुमान त्रिपाठी नाम का बीई का एक छात्र उनके कमरे पर आया और खिड़की से आवाज देकर दरवाजा खोलने के लिए कहा। दरवाजा खोलने पर उसने महेंद्र के दोस्त आशीष को सोते से उठाया और उसे कट्टा अडाकर अपने साथियों के साथ बाइक पर बिठाकर ले गया।

अंशुमान के साथ शुभम त्रिपाठी और उसके दो साथी और भी थे। फरियादी छात्र ने अपनी शिकायत मे बताया कि चारों आरोपी उसे लेकर उसके दोस्त गौरव के कमरे पर पहुंचे। जहां से वे गौरव को भी मारपीट कर अपने साथ ले गए। आरोपियो ने आशीष को गौरव के कमरे पर छोड दिया और गौरव को अपने साथ जंबूरी मैदान लेकर गए। उन्होंने गौरव से रुपयों की मांग की। मना करने पर उन लोगों ने गौरव के साथ जमकर मारपीट की। इसके बाद एक छात्र के कमरे पर छोड़कर और गौरव की बाइक लेकर फरार हो गए। घटना कि शिकायत मिलने पर पुलिस ने तुरंत ही आरोपियो की धरपकड के लिये घेराबंदी शुरु की ओर उसे दो बदमाश एक कमरे में सोते मिले। उनसे पूछताछ के बाद आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। अफसरो का कहना है कि आरोपी शुभम और अंशुमान त्रिपाठी पर पहले से ही मारपीट और अडीबाजी के मामले दर्ज हैं। उनकी तलाश जारी है। उन दोनों समेत चार लोगों पर इस मामले में मारपीट और अपहरण का मामला दर्ज किया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

स्मिथ, सोफी और कॉनवे को मिले अवॉर्ड

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपने पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज इयन स्मिथ को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए बर्ट सटक्लिफ अवार्ड से सम्मानित किया है। वहीं महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले डेवोन कॉनवे को महिला एवं पुरुष वर्ग में 'ड्रीम 11 सुपर स्मैश प्लेयर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया गया। कोविड–19 महामारी के कारण पुरस्कार समारोह ऑनलाइन आयोजन किया गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट अगले तीन दिन तक अन्य पुरस्कारों का भी वितरण करेगा। इनमें वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाना वाला सर रिचर्ड हैडली पदक भी शामिल है, यह शुक्रवार को दिया जाएगा। इसके साथ ही घरेलू स्तर पर सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी और गेंदबाजी के लिए दी जाने वाली

ट्रॉफी और वर्ष के सर्वश्रेष्ठ घरेलू क्रिकेटर का पुरस्कार भी दिया जाएगा।

स्मिथ को न्यूजीलैंड क्रिकेट के अध्यक्ष ग्रेग बार्कले ने पुरस्कार सौंपा। इस 63 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने 1980 से 1992 तक न्यूजीलैंड की ओर से 63 टेस्ट और 98 एकदिवसीय मैच खेले थे। स्मिथ को दिया गया पुरस्कार पूर्व टेस्ट खिलाड़ी सटक्लिफ के नाम पर रखा गया है। स्मिथ से पहले यह पुरस्कार वाल्टर हैडली, मर्व वालेस, जॉन रीड, ग्राहम डाउलिंग, सर रिचर्ड हैडली और इवान चै. टफील्ड को मिला था। क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद कॉमेंटेटर बने स्मिथ ने कहा, 'मैं आभारी हूं। इस सूची में जुड़ने से मैं भावुक हो गया हूं। मुझे अब भी सर रिचर्ड हैडली की गेंदों के सामने विके. टकीपिंग करना, मार्टिन क्रो को बल्लेबाजी करते हुए देखना याद है।'

लैथम को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और साउदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का अवार्ड

सलामी बल्लेबाज टॉम लैथम को न्यूजीलैंड क्रिकेट का वर्ष का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और तेज गेंदबाज टिम साउदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का अवार्ड मिला है। लैथम को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज चुने जाने पर रेडपाथ कप दिया गया पिछले सात वर्षों से इस यह अवार्ड केन विलियमसन या रोस टेलर को मिलता रहा है। लैथम ने पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया है। लैथम ने अब तक नौ टेस्ट मैचों में 40.53 की औसत से 608 रन बनाये जिसमें श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेली गयी 154 रन की शानदार शतकीय पारी भी शामिल है, इसी पारी की बदौलत न्यूजीलैंड ने दूसरा टेस्ट मैच जीतकर श्रृंखला बराबर की थी। लैथम को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ओर से साल 2019 की विश्व टेस्ट टीम में सलामी बल्लेबाज के रूप में शामिल किया गया था। वहीं न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, ''इस सत्र में हमने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण का सामना किया और टॉम ने उनका अच्छी तरह से सामना किया। ''साउदी को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज के रूप में विंडसर कप मिला है। उन्होंने 2014 के बाद पहली बार यह पुरस्कार हासिल किया। अब तक यह अवार्ड ट्रेंट बोल्ट या नील वैगनर को ही मिलता रहा है।

पनेसर की नजर में सचिन हैं सर्वश्रेष्ठ

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने 11 टेस्ट में चार बार भ. रतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को आउट किया, लेकिन उनका कहना है कि यह भारतीय बल्लेबाज श्रीलंका के कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के साथ उनके दौर का सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि वीरेंद्र सहवाग उस दौर का सबसे आक्रामक बल्लेबाज थे और राहुल द्रविड़ 'दीवार' की तरह थे, लेकिन हालात के अनुरूप ढलने की कला तेंदुलकर को सर्वश्रेष्ठ बनाती है।

इंग्लैंड के लिए 50 टेस्ट खेल चुके पनेसर ने नागपुर में 2006 में अपने पहले मैच में सचिन को आउट किया था। उन्होंने कहा ,'सचिन जब भी टिक जाते थे,तब बड़ी पारी खेलने में कामयाब हो जाते थे, लेकिन हर बल्लेबाज की तरह उनकी भी कमजोरी थी। क्रीज पर जमने के बाद हालांकि वह अलग ही रंग में आ जाते थे।

उन्होंने कहा सचिन को आउट करना कठिन होता था। आपको नहीं पता वह किस गेंद पर कौन सा शॉट खेलने वाले है। पनेसर ने कहा,द्रविड़ भी महान बल्लेबाज थे और इसकारण उन्हें भारतीय टीम की दीवार भी कहते हैं। वह बल्लेबाजी करते थे तो लगता था कि उसका बल्ला दूसरों से चौड़ा है क्योंकि वह इतनी देर टिककर खेल जाते थे। सहवाग अपने समय के सबसे विध्वंसक बल्लेबाज थे।

युवराज सिंह ने हाल ही में कहा कि मौजूदा भारतीय टीम में विराट कोहली और रोहित शर्मा को छोड़कर कोई 'रोल मॉडल' नहीं है और पनेसर ने युवी की इसबात पर सहमति जाहिर की। उन्होंने कहा, सचिन, द्रविड़, लक्ष्मण हम सभी के लिए रोल मॉडल थे। उनसे हम

सीखते थे कि मैदान के भीतर और बाहर कैसे रहना है। सचिन से एक इंसान से तौर पर भी मैंने बहुत कुछ सीखा। पनेसर ने संगकारा और जयवर्धने को स्पिन गेंदबाजी खेलने के महारथी बल्लेबाज बताया।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे महान फुटबॉलर चुन्नी गोस्वामी

भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान चुन्नी गोस्वामी अब हमारे बीच नहीं है पर खेल जगत को उनकी कमी हमेशा ही खलती रहेगी। चुन्नी के पास वह सभी खूबियां थीं जो एक खिलाड़ी अपने पास होने का सपना देखता है लेकिन कुछ ही लोगों के पास ऐसी नैसर्गिक आलराउंड प्रतिभा होती है। चुन्नी गोस्वामी का पूरा नाम सुबीमल गोस्वामी था पर वह 'चुन्नी दा' के नाम से लोकपिय हुए। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम की कप्तानी करने वाले वह आखिरी भारतीय कप्तान थे। वह ओलिंपियन खिलाड़ी के साथ ही प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और कप्तान भी रहे यहां तक कि महान ऑलराउंडर सर गैरी सोबर्स ने अपनी आत्मकथा में भी उनका जिक्र किया है।

शीर्ष फुटबॉलर के साथ ही क्रिकेटर भी रहे

कलकत्ता विश्व विद्यालय में क्रिकेट और फुटबॉल दोनों खेलने वाले गोस्वामी का जन्म उच्च मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ और उन्होंने अपना पूरा जीवन दक्षिण कोलकाता के समृद्ध जोधपुर पार्क इलाके में बिताया। उन्हें विश्व विद्यालय में शिक्षा हासिल की और अगर भ. रतीय फुटबॉल के इतिहास पर गौर करें तो वह संभवतः सबसे महान ऑलराउंड फुटबॉलर थे।

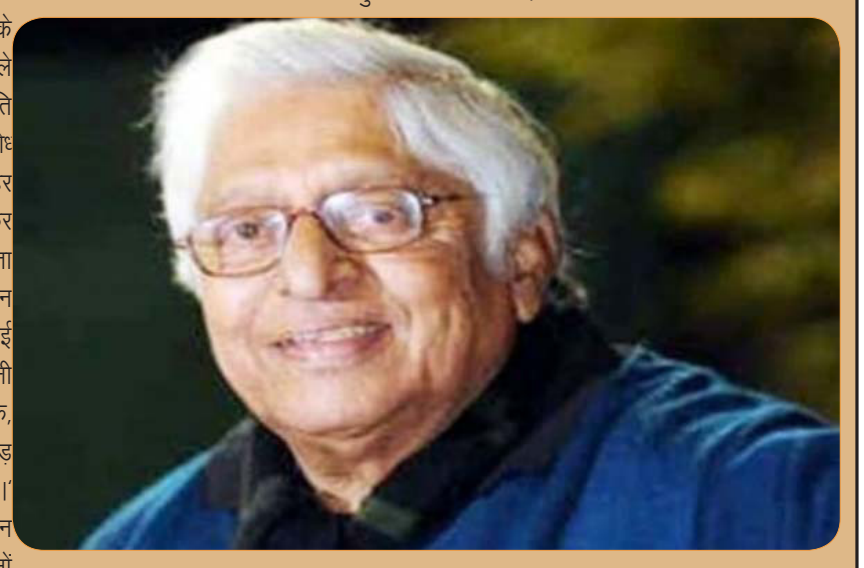

वह सेंटर फारवर्ड थे पर 1960 के दशक में राइट–इन के रूप में खेले उन्हें मैदान पर खिलाड़ियों की स्थिति की गजब की समझ थी। गोस्वामी विरोधी खिलाड़ियों को पीछे छोड़ने में माहिर थे बाक्स के किनारे से शॉट लगाकर विरोधियों को हैरान करने की क्षमता भी उनमें थी। यहां तक कि महान खिलाड़ी दिवंगत पीके बनर्जी ने कई मौकों पर कहा था, 'मेरे मित्र चुन्नी के पास सब कुछ था। दमदार किक, ड्रिबलिंग, ताकतवर हेडर, तेजी दौड़ और खिलाड़ियों की स्थिति की समझ।' बनर्जी और गोस्वामी की जोड़ी मैदान पर शानदार थी पर इसके बावजूद दोनों एक–दूसरे से काफी अलग थे। गोस्वामी मोहन बागान की ओर से रोवर्स कप में खेलते हुए मुंबई में आकर्षण का केंद्र हुआ करते थे। गोस्वामी अपने अंतिम दिनों तक भी सिर्फ मोहन बागान के प्रति ही समर्पित रहे। वह 16 साल की उम्र में ही इस क्लब से जुड़े थे और फिर हमेशा इसी का हिस्सा बने रहे। उन्होंने मोहन बागान की ओर से क्लब क्रिकेट भी खेला।

30 साल की उम्र में लिया था संन्यास

कहा जाता है कि गोस्वामी ने 1968 में जब मुंबई में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल को अलविदा कहने की घोषणा की थी तो उस सभी हैरान रह गये थे जबकि उस समय उनकी उम्र 30 साल ही थी। इसके बाद उन्होंने अपने दूसरे प्यार क्रिकेट की ओर रुख किया। उनकी कप्तानी में बंगाल ने 1972 में रणजी ट्रॉफी फाइनल में प्रवेश किया। गोस्वामी ने 1967 में गैरी सोबर्स की वेस्टइंडीज टीम के खिलाफ अभ्यास मैच में संयुक्त क्षेत्रीय टीम की ओर से आठ विकेट लिए। इस मैच के दौरान गोस्वामी ने पीछे की ओर 25 गज तक दौड़ते हुए बेहतरीन कैच लपका जिसके बाद सोबर्स ने उनकी जमकर तारीफ की। गोस्वामी ने तब मजाकिया लहजे में कहा, 'सोबर्स को नहीं पता था कि मैं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर था। पीछे की ओर 25 गज दौड़ना मेरे लिए कोई बड़ी बात नहीं है।'

गोस्वामी का गुरुवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। उन्होंने कोलकाता एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके परिवार में पत्नी और एक बेटा है। वह मधुमेह, प्रोस्ट्रेट और तंत्रिका तंत्र संबंधित बीमारियों से जूझ रहे थे। गोस्वामी ने भारत के लिए बतौर फुटबॉलर 1956 से 1964 तक 50 मैच खेले हैं।

बॉलीवुड सितारे अजय देवगन ने गोस्वामी के निधन पर शोक जताया है। इसके साथ ही उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है। देवगन को गोस्वामी और दिवंगत पीके बनर्जी सहित बंगाल के दिग्गज फुटबॉलरों के साथ अपनी आगामी फिल्म, 'मैदान' के लिए कोलकाता में शूटिंग करते समय उनके साथ समय बिताने का अवसर मिला था। उसी के बारे में देवगन ने ट्वीट किया, 'मैदान की शूटिंग के दौरान, मैं फुटबॉल के दिग्गज गोस्वामी के खेल में योगदान से परिचित हुआ। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदना।

ओलंपिक के लिए खतरा बनती जा रही कोरोना महामारी

टोक्यो ओलिंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने इन खेलों को आगे भी टालने की संभावना से इनकार करते हुए साफ साफ कह दिया है कि अगर अगले साल तक भी कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण नहीं हो पाता तो फिर इन खेलों को रद्द करना पड़ेगा। टोक्यो आलंपिक इस साल होने थे पर कोरोना संक्रमण बढ़ने से इन्हें साल 2021 तक के लिए स्थगित करना पड़ा है।

महामारी के कारण खेलों के आयोजन में पहले ही एक साल की देरी हो गई है। टोक्यो 2020 के अध्यक्ष ने मोरी कहा कि इन्हें अब और आगे स्थगित करना संभव नहीं है। मोरी ने कहा कि इससे पहले युद्ध के समय ही खेलों को रद्द करना पड़ा था पर इस बार जंग 'एक अदृश्य वायरस के खिलाफ 'है। साथ ही कहा कि अगर वायरस पर नियंत्रण पा लिया जाता है तो हम अगली गर्मियों में ओलिंपिक का आयोजन करेंगे।

वहीं टोक्यो 2020 के प्रवक्ता मासा तकाया ने खेलों को रद्द किए जाने की संभावना को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया और उन्होंने कहा कि मोरी की टिप्पणी उनके 'निजी विचार' हैं। इससे पहले मंगलवार को जापान चिकित्सा संघ के प्रमुख ने आगाह किया था कि अगर कोरोना वायरस के लिए टीका विकसित नहीं किया जाता है तो फिर खेलों का आयोजन करना बहुत मुश्किल होगा। चिकित्सा संघ के प्रमुख योशिताके योकोकुरा ने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि खेल नहीं होने चाहिए, लेकिन इनका आयोजन आसान नहीं होगा। पिछले सप्ताह जापानी चिकित्सा विशेषज्ञों ने भी कहा था कि अगले साल भी ओलिंपिक का आयोजन करना संभव नजर नहीं आ रहा है।

तो नहीं हो पाएंगे ओलंपिक खेल : आबे

वहीं जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने कहा कि अगर कोरोना तो 2021 ओलंपिक भी ओलंपिक भी रद्द करने पड़ेंगे। वहीं आबे ने कहा, ''कोरोना वायरस पर मानवता की जीत के साक्ष्य के तौर पर हमें ओलंपिक का आयोजन करना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''अगर हम ऐसी स्थिति में नहीं हुए तो फिर खेलों का आयोजन मुश्किल होगा।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हम कहते आए हैं कि हम ओलंपिक और पैरालंपिक का आयोजन करेंगे जिसमें खिलाड़ी और दर्शक पूरी सुरक्षा के साथ हिस्सा ले पाएंगे और यह पूर्ण रूप से आयोजित होगा। मुझे लगता है कि अगर महामारी को नियंत्रित नहीं किया जाता है तो आयोजन का मकसद पूर्ण रूप से पूरा नहीं हो पाएगा।''

वहीं जब मोरी से पूछा गया था कि अगर महामारी का खतरा अगले साल भी बना रहता है तो क्या खेलों को 2022 तक टाला जा सकता है तो उन्होंने कहा था, ''नहीं। अगर ऐसा होता है तो फिर इन्हें रद्द कर दिया जाएगा। '' टोक्यो ओलंपिक खेलों के प्रवक्ता ने हालांकि कहा था कि मोरी की टिप्पणी उनका निजी मत है।

छोटे टूर्नामेंटों से हो शुरुआत : मैक्क्लोस्की

उधर विश्व स्वास्थ संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि कोरोना महामारी के कारण रोके गये सभी खेलों की शुरुआत के समय हमें बेहद सजग रहने की जरुरत है। इसके लिए सबसे अच्छा यह है कि सभी खेलों के दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया छोटे स्तर के टूर्नामेंट से होनी चाहिये। अभी लॉकडाउन के कारण विश्व में खेल गतिविधियां रुकी हुई हैं। डॉक्टर ब्रायन मैक्क्लोस्की ने कहा, जितना बड़ा मैच होगा उतना बड़ा टूर्नामेंट होगा। इसी कारण यह सुरक्षित तरीके से किए जाएं इसकी संभ. ावना काफी कम है। ऐसे में छोटे टूर्नामेंट से शुरुआत करना बेहतर रहेगा।

उन्होंने कहा, इसलिए एक टूर्नामेंट में जिसमें टीमों को काफी सारा

वायरस महामारी को नियंत्रित नहीं किया गया तो टोक्यो ओलंपिक का आयोजन आगे भी संभव नहीं होगा। टोक्यो ओलंपिक पहले ही एक साल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं, इसके बाद भी उसके आयोजन को लेकर आशंकाए बनी हुई हैं। आबे से पहले टोक्यो ओलंपिक की आयोजन समिति के अध्यक्ष योशिरो मोरी ने भी कहा था था कि अगर अगले साल तक महामारी पर नियंत्रण नहीं होगा सफर करना पड़ रहा हो फिर चाहे वो देश के अंदर हो या दो देशों के बीच, जोखिम भरा रहेगा। वहीं स्थानीय टूर्नामेंट्स काफी आसान होंगे जिनसे यह पता चल सकेगा कि चीजें कैसे हो रही हैं। साथ ही आने वाले दिनों में हमें बड़े टूर्नामेंटों के दौरान किस प्रकार की तैयारियां करनी होंगी।

इस बीमारी के कारण कई बड़े टूर्नामेंट रद्द या स्थगित किए जा चुके हैं। वहीं टोक्यो ओलम्पिक खेलों के स्थगित होने के बाद भी उनपर खतरा बना हुआ है।

दान में भी पीछे नहीं हैं नेमार

ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेसी के बाद विश्व के सबसे बेहतर खिलाड़ी माने जाते हैं। 28 साल के नेमार खेल से लेकर एंडोर्समेंट तक हर जगह इन दोनो दिग्गजों को टक्कर देते नजर आये हैं। नेमार फ्रांस की पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) टीम की ओर से खेलते हैं। सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल नेमार अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा दान भी करते हैं। उन्होंने कोरोना वायरस के खिलाफ जारी अभियान में ही 10 लाख डॉलर (करीब 7.6 करोड़ रुपए) दान दिये हैं।

नेमार का जन्म ब्राजील के मोगी दास क्रुज़ेस में हुआ। उनके पिता नेमार सैंटोस भी फुटबॉलर रहे हैं। इस तरह उन्हें यह खेल विरासत में मिला। नेमार इसी कारण अपने नाम में जूनियर शब्द लगाते हैं।

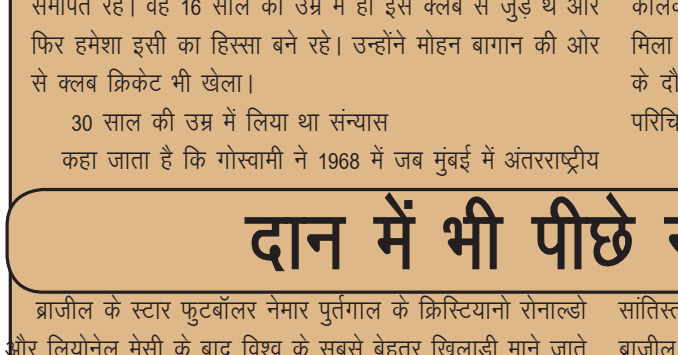

नेमार ने फुटसॉल भी खूब खेली है। इससे उन्हें ड्रिबलिंग और गेंद को नियंत्रित करने में मदद मिली। नेमार ब्राजील के एकमात्र फुटबॉलर हैं, जिन्हें टाइम मैगजीन के कवर पर जगह मिली है।

पुर्तगीज सांतिस्ता से खेलना शुरु किया

नेमार का परिवार 2003 में साओ विसेंटे में रहने लगा। उन्होंने पुर्तगीज सांतिस्ता की युवा टीम की तरफ से खेलना शुरू किया। वे इसी साल ब्राजील के प्रमुख फुटबॉल क्लब सैंटोस से जुड़ गए। वे इस क्लब के लिए चार साल तक खेले। इसके बाद बार्सिलोना से करार किया। इस स्पेनिश क्लब में उनकी लियोनेल मेसी और सुआरेज के साथ तिकड़ी बेहद प्रभावी रही। बार्सिलोना ने इन तीनों के बल पर खूब मैच जीते। साल 2017 में नेमार सबसे बड़ी डील के तहत फ्रेंच क्लब पीएसजी (पीएसजी) से जुड़ गए। वे अभी इसी क्लब से खेलते हैं.

जब नेमार 14 साल के थे, तब रियल मैड्रिड ने उन्हें क्लब में शामिल होने का ऑफर दिया। नेमार ने सभी ट्रायल और टेस्ट भी पास कर लिए। वे रियल मैड्रिड से करार करते, इससे पहले ही उनके ब्राजीलियन क्लब सैंटोस ने उनकी अनुबंध राशि दोगुनी कर दी, इससे वे यहीं रुक गये।

बेहतरीन खिलाड़ियों में उभरे

नेमार को 2008 से दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों में गिना जाने लगा था। लेकिन 2010 के विश्व कप में कोच डुंगा ने उन्हें नेशनल टीम में शामिल नहीं किया। ब्राजील की टीम विश्व कप नहीं जीत सकी। इसके बाद इसी साल नेमार को टीम में जगह मिली। साल 2011 और 2012 में नेमार ने दक्षिण अमेरिकी फुटबॉलर ऑफ द ईयर अवार्ड जीता।

नेमार अपनी कमाई का 10 फीसदी दान करते हैं। वे हर साल एक चैरिटी मैच भी कराते हैं, जिसकी कमाई गरीबों के खाने पर खर्च की जाती है।

रोनाल्डो और मेसी को बताया दूसरे ग्रह का प्राणी

नेमार ने एक बार कहा था कि इस धरती के सबसे महान फुटबॉलर वे हैं, ना कि रोनाल्डो या मेसी हालांकि, उन्होंने यह बात मजाक में कही थी। उन्होंने ऐसा कहते हुए कहा था कि रोनाल्डो और मेसी तो इस ग्रह के हैं ही नहीं। नेमार वैसे अपना फेवरे खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो, वेन रूनी, आंद्रेस इनिएस्ता, ज़ावी को बताते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज का इतिहास 4 मई

1540 तुर्की और वेनिस के बीच शांति संधि हुई.
1591 फ्रांस और स्पेन के बीच संधि हुई, जिसके तहत स्पेन ने तमाम विजित क्षेत्रों को लौटा दिया.
1595 आयरलैंड में विद्रोह का दमन करने के लिए इंग्लैंड ने सर जान बौरिस को भेजा.
1799 मैसूर के टीपू सुल्तान श्रीरंगपट्टणम की लड़ाई में मारे गये.
1814 फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट निर्वासित जीवन बिताने गए.
1854 भारत में पहला डाक टिकट जारी.
1939 जापानी बमबारी से चुंगफिग में सैकड़ों लोग हताहत हुए.
1980 कोयला खान श्रमिक दिवस का पहला आयोजन किया गया.
1987 लेबनान के प्रधानमंत्री रशीद करामी ने इस्तीफा दिया.
1988 इराकी विमानों की इरानी तेल शोधक व पेट्रो रसायन संयंत्र पर बमबारी.
1990 लावटिया की संसद ने सोवियत संघ से स्वतंत्र होने की घोषणा की.
1992 कुवैत में तेल उत्पादन इराकी हमले से पूर्व की स्थिति में पहुंचा.
1994 श्री हरिकोटा से ए एस एल वी के प्रक्षेपण से सी–2 उपग्रह कक्षा में स्थापित.
2001 विख्यात शहनाई वादक उस्ताद बिस्मिल्लाह खान भारत रत्न से अंलकृत हुए.

अपने शहर या मोहल्ले की घटना,
परेशानी या न्यूज़ यहाँ शेयर करें
9879141480
या
info@krantisamay.com

आपने आसपास की घटनाक्रम, समाचार,प्रेसनोट देने के लिये हमारे ईमेल *krantisamay@gmail.com* या WhastApp **9879141480** पर भेज सकते हैं

ब्यूरो, रिपोटर

अपने क्षेत्र की खबरें के लिये संपर्क करें.

राजकाज

ब्रिटेन का बदला रुख

कोरोना संक्रमण के दौर में भारत द्वारा दुनिया को हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन दवा देना कारगर साबित हुआ है। ब्रिटेन में सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी कश्मीर मसले पर भारत के साथ रही है लेकिन विपक्षी लेबर पार्टी ने इस मुद्दे पर पाक का साथ दिया है। अब दवा कूटनीति के बाद विपक्षी लेबर पार्टी के नवनियुक्त नेता कीर स्टर्मर ने कहा कि वे कश्मीर या भारत के किसी भी संवैधानिक मसले में दखल नहीं देंगे। इससे पहले जेरेमी कॉर्बिन के नेतत्व में पिछले साल पार्टी के वार्षिक सम्मेलन में एक प्रस्ताव पारित कर कश्मीर में वैश्विक दखल की मांग की गई थी।

सामने आए किम

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन अपनी मौत की अटकलों के बीच लोगों के बीच नजर आए। किम ने राजधानी प्योंगयांग के पास सुचोन में एक फर्टिलाइजर कंपनी का उद्घाटन किया। पिछले एक महीने से उनके स्वास्थ्य और मौत को लेकर कई तरह की अटकलें और दावे किए जा रहे थे लेकिन करीब तीन हफ्ते बाद उन्हें फिर से जनता के बीच देखा गया। अब लगभग साफ हो गया है कि किम जिंदा हैं और स्वस्थ भी। इस लिहाज से उत्तर कोरिया में अस्थिरता को भी विराम लगा है।

क्या चाहता है पाक

जब पूरी दुनिया कोरोना से जूझ रही है और तालिबान जैसे संगठनों ने हथियार उठाना बंद कर दिया है ऐसे में पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। लगातार सीमा पर फायरिंग जारी है। शुक्रवार को पाकिस्तान की तरफ से उल्लंघन कर नियंत्रण रेखा के नजदीक जम्मू–कश्मीर के बारामूला जिले में अकारण गोलीबारी की गई। इस गा. लीबारी में भारतीय सेना के तीन जवान घायल हो गए थे। शनिवार को दो जवान शहीद हो गए। सवाल यह है कि आखिर पाकिस्तान चाहता क्या है।

सरकार का बेहतर फैसला

महामारी से निपटने के लिए सरकार की नई रणनीति के तहत रेड जोन जिलों में माइक्रो (छोटे) कंटेनमेंट जोन बनाने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य लोगों की पहचान कम समय में बेहतर तरीके से करना है। ये जोन गलियों, मोहल्ले या सोसायटी में बनाए जाएंगे। इन इलाकों में चिकित्साकर्मियों की टीमें घर–घर सर्वे करेंगी। बफर जोन में भी आने वाले सभी सर्दी, जुकाम, बुखार जैसे लखण ग्रस्त फ्लू रोगी और सांस के रोगियों की पहचान कर उनकी कोविड जांच कराई जाएगी। यह कोरोना को रोकने का सबसे कारगर तरीका है। यह काम बहुत पहले शुरू किया जाना था। खैर, देर तो अब भी नहीं हुई है।

प्रसंगतः पुरस्कार

पुराने जमाने में एक राजा था। उसे सुंदर इमारतें बनवाने का शौक था। उसने दूर-दूर से कुशल शिल्पियों को अपने राज्य में बुला रखा था ताकि वे राज्य में और सुंदर-सुंदर इमारतों व विशाल प्रासादों और भवनों का निर्माण कर सकें। राजा शिल्पियों का आदर भी करता था और उन्हें उचित पारिश्रमिक के अलावा पुरस्कार भी देता था। इन्हीं शिल्पियों में एक अत्यंत अनुभवी शिल्पी भी था जो अब वृद्ध हो गया था। उसने वर्षों तक राज्य की सेवा करते हुए अनेक उत्कृष्ट भवनों का निर्माण किया था। एक दिन वृद्ध शिल्पी ने राजा से कहा, 'महाराज मैंने जीवन भर राज्य की सेवा की है लेकिन अब मैं वृद्ध हो गया हूं इसलिए मुझे राज्य की सेवा से मुक्त करने की कृपा करें ।' राजा ने वृद्ध शिल्पी की बात बड़े ध्यानपूर्वक सुनी और उससे कहा, 'महान शिल्पी आपकी सेवाओं के लिए मैं ही नहीं, पूरा राज्य आपका कृतज्ञ है। आपको सेवानिवृत्त होने का पूरा अधिकार है लेकिन मेरी ख्वाहिश है कि सेवानिवृत्ति से पहले आप मेरे लिए एक भवन और बनाओ जो आज तक बने सभी भवनों से श्रेष्ठ व उत्कृष्ट हो'। शिल्पी राजा की ख्वाहिश को कैसे टाल सकता था! वह भवन बनाने में जुट गया लेकिन बेमन से। उसने उस श्रेष्ठता व उत्कृष्टता का परिचय नहीं दिया जिसकी उससे अपेक्षा थी। बस किसी तरह भवन पूरा कर दिया और राजा से पुनः सेवामुक्ति की प्रार्थना की। राजा ने कहा, 'मैं आपकी कला से अत्यंत प्रभावित हूं और इसीलिए मैंने आपसे इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण करवाया है ताकि आपको पुरस्कार स्वरूप यह भवन दे सकूं।'

लॉफिंग ज़ोन

मरीज, "डाक्टर साहब, आप दूसरों को धूम्रपान छोड़ने के लिए कहते हैं और स्वयं धूम्रपान करते हैं?"

डॉक्टर, "मैं स्वयं धूम्रपान नहीं करुंगा तो इसकी हानियों को कैसे जानूंगा।"

☺ ☺ ☺

एक महिला, "हाय-हाय' इस गली में, गंदे-गंदे बच्चे कीचड़ में खेलते हैं।"

दूसरी महिला, "कल चार बच्चों का मुंह धोया, तब जाकर मैं अपना बच्चा पहचान पाई।"

☺ ☺ ☺

सेठ, "तुम किस-किस काम में माहिर हो ?"

नौकर, "साहब! रसोई, ड्राइंगरूम और तिजोरी साफ करने में माहिर हूं।"

☺ ☺ ☺

रीना बत्रा ने पूछा, "नज़र इंसान की तेज है या जानवर की।"

पवन ने कहा, "जानवर की।"

रीना, "तुम कैसे कह सकते हो?"

पवन, "जानवर कभी ऐनक नहीं लगाते।"

☺ ☺ ☺

ज्योति पवन से, "कोई ऐसा वाक्य बताओ जिसमें भूतकाल, वर्तमान काल और भविष्यकाल आते हों?"

पवन, "सौ साल पहले मुझे तुमसे प्यार था आज भी है और कल भी रहेगा।"

☺ ☺ ☺

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वॉरियर्स के सम्मान में गांधीनगर के कोविड 19 अस्पताल पर पुष्प वर्षा

अहमदाबाद । कोरोना के खिलाफ फ्रंटलाइन पर लड़ रहे योद्धाओं के सम्मान में आज गांधीनगर के कोविड 19 अस्पताल पर करीब 100 मीटर की ऊंचाई से एमआई–17 वीएस हेलीकॉप्टर से फूल बरसा कर कोरोना वॉरियर्स को प्रोत्साहित किया गया।

देशभर में कोरोना महामारी के खिलाफ जंग लड़ रहे डॉक्टर, नर्स, पेरामेडिकल स्टाफ समेत सभी सेवाकर्मियों के सम्मान में और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए भारतीय वायुसेना की ओर से आज सुखोई–30 युद्धक विमानों के जरिए फाइटर एयर क्राफ्ट फोरमेशन में केवल 500 मीटर की ऊंचाई से गुजरात विधानसभा पर फ्लाई पास्ट कियाद्य भ.ारतीय वायुसेना के खास बैंड द्वारा गांधीनगर सिविल अस्पताल स्थित कोविड 19 अस्पताल में ''सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्ता हमारा'' धून बजाकर सभी कोरोना वॉरियर्स सम्मान किया गया। इस मौके पर मौजूद सभी डॉक्टर, नर्स, मेडिकल स्टाफ, मरीज और अन्य नागरिकों ने सोशल डिस्टन्स बरकरार रखते हुए

समूचे देश में कोविड 19 अस्पताल पर पुष्पवर्षा और युद्धक विमान की फ्लाई पास्ट का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत गुजरात की राजधानी गांधीनगर स्थित कोविड 19 अस्पताल पर भारतीय वायुसेना के एमआई 17 वीएस हेलीकॉप्टर के जरीए करीब 100 मीटर की ऊंचाई से पुष्पवर्षा कर कोरोना वॉरियर्स का सम्मान कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। साथ ही भारतीय वायुसेना के सबसे शक्तिशाली तालियां बजाकर उनका सम्मान किया। बता दें कि रविवार को भारतीय वायुसेना ने भारत के 17 राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेश की राजधानी में एक ही समय कोविड 19 अस्पताल पर पुष्पवर्षा कर कोरोना वॉरियर्स का सम्मान किया। जिसमें गुजरात में अहमद.ाबाद स्थित बीजे मेडिकल कॉलेज कैम्पस स्थित कोविड 19 और गांधीनगर स्थित जीएमईआरएस अस्पताल पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई।

गुजरात में नहीं थम रहा कोरोना का कहर, 374 नए केसों के साथ कुल संख्या 5428

– इकलौते अहमदाबाद में 24 घंटों में 274 नए केस, 23 मरीजों की मौत

अहमदाबाद। गुजरात में कोरोना वायरस का कहर थम नहीं रहा और इसके केसों में लगातार इजाफा हो रहा है। पिछले 24 घंटों में राज्य में 374 नए केसों के साथ कुल मामलों की संख्या 5428 पर पहुंच गई है। 374 कुल मामलों में इकलौते अहमदाबाद में 274 केस दर्ज हुए हैं और 28 में से 23 मरीजों की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख सचिव डॉ. जयंति रवि ने बताया कि गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना पॉजिटिव के 374 केस दर्ज हुए हैं, जिसमें 274 मामले इकलौते अहमदाबाद में सामने आए हैं। 24 घंटों में राज्य में 28 मौत हुई है और उसमें इकलौते अहमदाबाद में 23 मरीजों की मौत हो गई। इस दौरान 146 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। जयंति रवि ने बताया कि पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद में 274, वडोदरा में 25, सूरत में 25, गांधीनगर में 3, पाटन में 1, बनासकांठा में 7, मेहसाणा में 21, बोटाद में 3, दाहोद में 1, अरवल्ली में 1, महीसागर में 10 और देवभूमि द्वारका में कोरोना के 3 केस दर्ज हुए हैंद्य बीते 24 घंटों में अहमदाबाद में 23, सूरत में 2, गांधीनगर में 1, वडोदरा में 1 और आणंद में कोरोना से 1 मरीज की मौत हो गई। इस दौरान 146 लोगों को ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया है। जिसमें अहमदाबाद में 71, सूरत में 57, छोटाउदेपुर में 4, वडोदरा में 4, आणंद में 3, अरवल्ली में 2, वलसाड में 2, बोटाद में 1, गांधीनगर में 1 और महीसागर में एक व्यक्ति के स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई हैद्य उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 80060 टेस्ट किए गए हैंद्य जिसमें 5428 पॉजिटिव और 74632 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। राज्य में 47147 लोग कोरन्टाइन हैंद्य जिसमें 43490 होम कोरन्टाइन, 3511 सरकारी कोरन्टाइन और 146 लोग प्राइवेट फैसिलिटी में कोरन्टाइन हैं। राज्य में अब तक कुल 5428 मामलों में कोरोना के 4096 सक्रिय मरीज हैं। जिसमें 4065 की हालत स्थिर है और 31 मरीज वेन्टीलेटर पर हैंद्य जबकि 1042 लोगों के ठीक होने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है और अब तक कुल 290 मरीजों की मौत हो चुकी है। जयंति रवि ने बताया कि राज्य में अब तक दर्ज कुल 5428 मामलों में सबसे अधिक केस अहमदाबाद में 3817 केस सामने आए हैं। जबकि वडोदरा में 350, सूरत में 686, राजकोट में 58, भावनगर में 53, आणंद में 74, भरुच में 27, गांधीनगर में 70, पाटन में 22, पंचमहल में 38, बनासकांठा में 36, नर्मदा में 12, छोटाउदेपुर में 14, कच्छ में 7, मेहसाणा में 32, बोटाद में 30, पोरबंदर में 3, दाहोद में 7, गिर सोमनाथ में 3, खेडा में 9, जामनगर में 1, मोरबी में 1, साबरकांठा में 3, अरवल्ली में 20, महीसागर में 33, तापी में 2, वलसाड में 6, नवसारी में 8, डांग में 2, सुरेन्द्रनगर में 1 और देवभूमि द्वारका में अब तक कोरोना के 3 केस दर्ज हो चुके हैं। राज्य के कुल 33 जिलों में से 31 जिलों में कोरोना दस्तक दे चुका है। कोरोना संक्रमण की चेइन तोड़ने लोग एक–दूसरे से संपर्क घटाएं : डीजीपी

कोरोना संक्रमण की चेइन तोड़ने लोग एक–दूसरे से संपर्क घटाएं : डीजीपी

अहमदाबाद । गुजरात के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा ने कोरोना संक्रमण की चेइन तोड़ने के लिए घरों से बाहर नहीं निकलने और एक–दूसरे से संपर्क घटाने की राज्य के लोगों से अपील की है। राज्य में लॉकडाउन का सख्ती से अमल कराया जा रहा है और कोरोना के सबसे अधिक जहां मामले हैं, ऐसे रेड जोन के सभी कंटे.नमेंट क्षेत्र को कोर्डन और बेरिकेटिंग कर लोगों की बेवजह आवाजाही रोकने के लिए प्रवेश और निकासी का एक ही रास्ता खुला है। कोरोना वायरस फैलाते सुपर स्प्रेडर्स के कारण संक्रमण ज्यादा फैलने की संभावना वाली सब्जी मंडी समेत सार्वजनिक स्थलों को भी कोर्डन कर लोगों की आवाजाही बंद की जाएगी। लॉकडाउन के दौरान रात्रि के 7 से सुबह 7 बजे तक लोगों को घरों से बाहर नहीं निकलने की हिदायत देते हुए शिवानंद झा ने कहा कि इस दौरान कोई पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ तत्काल मामला दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगीद्य सब्जी मंडी और किराना की दुकानों पर खरीदी के दौरान भीड़ को रोकने और सोशल डिस्टन्स सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। साथ ही पब्लिक एड्रेस माइक के माध्यम से भीड़ न करने और सोशल डिस्टन्स बरकरार रखने की नागरिकों से अपील की जा रही है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पोरबंदर जिले मं 30 अप्रैल को पुलिसकर्मी पर हुए हमले के संदर्भ में एक आरोपी को पासा के तहत गिरफ्तार जेल भेज दिया गया है। लॉकडाउन के बाद से अब तक पुलिसकर्मियों पर हुए हमलों की घटना में 21 मामले दर्ज कर 47 आरोपियों के खिलाफ पास के तहत कार्रवाई की गई

श्रमिक स्पेशल ट्रेन को भाजपा का झंडा दिखाने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, पूछा–यह भाजपा की ट्रेन है या देश की?

अमहदाबाद । कोरोना संकट के चलते जारी लॉकडाउन के बीच प्रवासी मजदूरों के लिए चलाई गई श्रमिक स्पेशल ट्रेन को लेकर कांग्रेस ने ट्रेन को भाजपा के झंडे को दिखाकर रवाना करने का के मामले में सवाल उठाया है। केरल, तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से ट्रेनें रवाना हुईं। इस बीच कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद अहमद पटेल ने एक तस्वीर ट्वीट कर भारतीय जनता पार्टी पर सवाल उठाए हैं। तस्वीर में प्रवासियों के लिए रवाना होने वाली ट्रेन को एक शख्स भाजपा का झंडा दिखा रहा है।

तस्वीर को ट्वीट कर पटेल ने चार सवाल पूछे हैं। पटेल ने लिखा– मेरे कुछ सवाल है 1– सूरत से प्रवासियों के लिए एक ट्रेन को रवाना करने के लिए भाजपा के झंडे की जगह तिरंगा का इस्तेमाल क्यों नहीं किया गया? 2– ट्रेन भाजपा की है या भारत की? 3– गरीब प्रवासी गुजरात से ओडिशा की इस यात्रा के लिए पैसे क्यों दे रहे थे? 4– उनकी यात्रा खर्च को पीएम केयर्स से क्यों नहीं दिया गया?'

मालूम हो देश में लॉकडाउन के कारण अलग–अलग हिस्सों में फंसे प्रवासी मजदूरों, छात्रों, पर्यटकों और अन्य लोगों के लिए गृह मंत्रालय और रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को राहत देने वाला फैसला लिया है। गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि विभिन्न राज्यों में फंसे लोगों को अब स्पेशल ट्रेनों से घर भेजा जाएगा। इसके बाद रेल मंत्रालय ने जानकारी दी कि रेलवे की ओर से 1 मई को मजदूर दिवस के मौके पर 'श्रमिक स्पेशल' ट्रेनें शुरू की जा रही हैं। इनके जरिये फंसे लोगों और मजदूरों को घर भेजा जाएगा।

गृह मंत्रालय की ओर से 1 मई को जारी आदेश में कहा गया है रेल मंत्रालय इसके लिए नोडल अफसर की नियुक्ति करेगा। रेलवे के अनुसार यात्रा से पहले लोगों की मेडिकल जांच की जाएगी। जो लोग ठीक पाए जाएंगे, वे ही यात्रा कर पाएंगे। इन लोगों को रेलवे स्टेशन लाने के लिए राज्य सरकारें सोशल डिस्टेंसिंग नियम का पालन करते हुए सैनिटाइज की गई बसों का इस्तेमाल करेंगी। रेलवे ने साफ किया है कि हर यात्रा को मास्क से चेहरा ढकना आवश्यक होगा। इसके साथ ही उनके खानपान की व्यवस्था उन्हें भेजने वाली राज्य सरकार स्टेशन पर करेगी। लंबी यात्रा के दौरान रेलवे यात्रियों को एक बार का खाना मुहैया कराएगी। गंतव्य स्थान पहुंचने के बाद संबंधित राज्य सरकार यात्री की स्क्रीनिंग और उनके आगे की यात्रा तय करेगी।

ट्रस्ट ने माधव सेवा संस्थान को 500 किट सुपुर्द किये।

साण्डेराव। सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत के विशेष आग्रह पर दुजाना गांव के भामाशाह परिवार ने सुमित्रा देवी पन्नालाल चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से जरूरतमंद लोगों के लिए 500 कीट सुपुर्द किए गए। संस्थान उपाध्यक्ष आशीष बोहरा ने बताया कि सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत की प्रेरणा से श्रीमती सुमित्रादेवी पन्नालाल चैरिटेबल ट्रस्ट दुजाना की तरफ से नरेश ओझा ने राशन के 500 किट श्री माधव सेवा संस्थान को सुपुर्द किये। इसके साथ ही भामाशाह वजिंगलाल शिवलाल ने विधायक कुमावत की प्रेरणा से प्रधानमंत्री आपदा राहत कोष में 15000 रूपये जमा करवाये व संस्थान को 20 राशन किट दिये। इस पर संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया गया।

संस्था सचिव ने जानकारी दी कि लॉकडाउन समय के शुरूआत से ही श्री माधव सेवा संस्थान असहायों व दिहाडी मजदूरों के भोजन हेतु राशन कीटों का वितरण कर रही है। जिसमें अब तक 4000 भोजन किटों का वितरण किया जा चुका है तथा ग्राम पंचायतों व शहरी स्तर पर कार्य कर रहे कोरोना योद्धाओ हेतु अब तक 24000 मास्कों का वितरण किया जा चुका है। लॉक डाउन के चैथे चरण में इनके भोजन की और विकट स्थिति उत्पन्न हो जायेगी। इस हेतु संस्थान के कार्यो को देखते हुये भामाशाहों का अच्छा सहयोग मिल रहा है। जिससे संस्था इन असहाय लोगो के लिये भोजन की व्यवस्था कर पा रही है। इसके साथ ही उन्हौने सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत का भी आभार व्यक्त किया, जिनकी प्रेरणा से संस्था इन कार्यो को अंजाम दे पा रही है और संस्थान के कार्य धरातलीय स्तर पर संभव हो पा रहे है। इसके साथ ही उन्होने संस्था के पदाधिकारियों, सदस्यों व भामाशाहों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महेन्द्र राजपुरोहित, विनीत चौधरी, किशोर सिंह दहिया, गोविन्द कुमावत सहित अन्य मौजूद रहे।

कोसेलाव में चल रहे राम रसोडे का समापन,सेवा समिति के सदस्यों का हुआ बहुमान।

'साण्डेराव। कोरोना लॉक डाउन के चलते निकटवर्ती कोसेलाव गांव में कोसेलाव सेवा समिति के सदस्यों द्वारा दिहाडी मजदूरों, गरीब व जरूरतमंद परिवारों के लिए पिछले 23 मार्च से 2500 लोगों को रसोई की निःशुल्क सुविधाओं के लिए चलाएं जा रहे राम रसोडे का समापन सरपंच सोनीदेवी एवं समाज सेवी हनुमान भाटी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।समारोह में सेवा समिति के सदस्यों का संरपच के साथ गांव के समाजसेवी लोगों के साथ ग्रामीणो ने फुलमालाओ से स्वागत करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया गया।

कोसेलाव गांव में कोसेलाव सेवा समिति के अध्यक्ष किसान नेता हनुमान भाटी के सानिध्य में गत 23 मार्च से गांव के सेवाभावी सदस्यों के साथ युवा टीम के भरत गहलोत,हितेश सोनी,करण चौधरी,नरेश मेगवाल,कांतिलाल चौधरी,राजु भाई,अशोक सोनी,फुटरमल सोनी,रमेश वैष्णव,रवि भाटी,दिनेश मीणा, हुसैन अली,मनीष सुथार,छगनलाल सहित गांव के लोगों की और से प्रति दिन अलग–अलग मीनू के अनुसार 2500 जरूरत मंदो को स्वादिष्ट भोजन प्रसाद दिया जा रहा था। आज रविवार सुबह सभी लोगों को भोजन के पैकेट वितरण के साथ में राम रसोडे का समापन सरपंच सोनीदेवी एवं समाज सेवी हनुमान भाटी की अध्यक्षता में विधिवत रूप से समिति के सदस्यों का बहुमान के बाद संपन्न हुआ।

पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी द्वारा 3 मई तक एक दिन में 13 हजार भोजन के पैकेटों का वितरण

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे और आईआरसीटीसी द्वारा संयुक्त रूप से 29 मार्च 2020 से चल रहे मिशन फूड डिस्ट्रीब्यूशन 3 मई, 2020 को अपने 36 वें दिन में प्रवेश कर लिया। 3 मई, 2020 तक एक ही दिन में कुल 13 हजार फूड पैकेट वितरित किए गए। विभिन्न जरूरतमंद और असहाय व्यक्तियों के लिए पश्चिम रेलवे के सभी 6 डिवीजनों पर वितरित इन पैकेटों में लंच और डिनर दोनों शामिल हैं।

पश्चिम रेलवेके मुख्य जन संपर्क अधिकारी रविन्द्र भाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस सेवा करने के लिए अपना अभियान जारी रखा है। आईआरसीटीसी के पश्चिम क्षेत्र ने मुंबई सेंट्रल में अपने बेस किचन से लेकर दक्षिण और मध्य मुंबई में एनजीओ के प्रसार के लिए भोजन की जरूरतमंद व्यक्तियों को आगे वितरण के लिए भोजन परोसा। आईआरसीटीसी के वेस्ट जोन ने 3 मई, 2020 को अपने मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद बेस किचन से क्रमशः 4 हजार और 3 हजार सामुदायिक भोज दिए। पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक और आरपीएफ विभाग भी इन भोजन के वितरण में प्रमुख भूमिका

भोजन वितरण में, आईआरसीटीसी द्वारा मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद में अपने बेस किचन से अधिकतम 7 हजार पैकेट उपलब्ध कराए गए थे, जबकि शेष फूड पैकेट की अन्य धर्मार्थ स्रोतों से व्यवस्था की गई थी। यहां उल्लेखनीय है कि 29 मार्च, 2020 से 3 मई, 2020 तक 36 दिनों की अवधि के दौरान, लगभग 4.50 लाख खाद्य पैकेटों को पश्चिम रेलवे और आई.आरसीटीसी के संयुक्त मिशन खाद्य वितरण के तहत वितरित किया गया है। इसमें से, आईआरसीटीसी के वेस्ट जोन द्वारा मुंबई सेंट्रल और अहमदाबाद के बेस किचन के माध्यम से अधिकतम 2.38 लाख खाने के पैकेट उपलब्ध कराए गए, जबकि बाकी के पैकेट्स को अन्य स्रोतों और गैर–सरकारी संगठनों की मदद से पश्चिम रेलवे के वाणिज्यिक विभाग द्वारा वितरित किया गया। गौरतलब है कि रेलवे नेटवर्क की कैटरिंग शाखा इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) पिछले 36 दिनों से वंचित वर्गों को तालाबंदी के दौरान भोजन की आपूर्ति कर रही है। आईआरसीटीसी और पश्चिम रेलवे ने कोविड 19 महामारी के इन कठिन समय में समाज की निभा रहे हैं। जरूरतमंद व्यक्तियों को भोजन वितरित करते समय, सभी से संबंधित सामाजिक सुरक्षा और स्वच्छता के आवश्यक पहलुओं को न्यूनतम रूप से सुनिश्चित किया जा रहा है। आईआरसीटीसी के सामुदायिक भोजन के अलावा, मुंबई सेंट्रल डिवीजन के वाणिज्यिक कर्मचारियों ने मुंबई डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर विभिन्न गैर–सरकारी संगठनों के माध्यम से 710 भोजन पैकेट वितरित किए, जबकि अहमदाबाद डिवीजन में आईआरसीटीसी के अलावा 3425 भोजन पैकेट वितरित किए गए। 1500 पैकेट वडोदरा डिवीजन द्वारा वितरित किए गए थे, जबकि राजकोट, भावनगर और रतलाम डिवीजनों में खाद्य वितरण भी जारी था। वापी के जैन संघ ने वापी स्टेशन पर हाउसकीपिंग स्टाफ, पार्सल लोडर और ड्यूटी स्टाफ को 50 खाद्य पैकेट वितरित किए। वलसाड स्टेशन पर किराने की किट वितरित की गई, जबकि डब्ल्यूआर के वाणिज्यिक कर्मचारियों ने मुंबई सेंट्रल में चरनी रोड और माटुंगा रोड स्टेशनों और परिचार सदन के पास भोजन पैकेट वितरित किए।

निंबेशवर महादेव पर वैशाखी पूर्णिमा पर आयोजित होने वाला वार्षिक मेला स्थगित।

साण्डेराव। मारवाड़–गोड़वाड क्षेत्र के साण्डेराव–फालना सड़क मार्ग पर स्थित अति प्रा.चीन तीर्थ स्थल श्री निंबेशवर महादेव मंदिर परिसर में वैशाखी पूर्णिमा गुरूवार 7 मई को आयोजित होने वाला वार्षिक मेला इस बार कोरोना लॉक डाउन के चलते स्थगित कर दिया गया है। निंबेशवर ट्रस्ट अध्यक्ष जगतसिह राणावत ने बताया कि निंबेशवर महादेव मंदिर परिसर में प्रति वर्ष वैशाख पूर्णिमा पर विशाल मेला लगता है,जबकि इस बार भारत देश में कोरोना वायरस को लेकर सम्पूर्ण रूप से लॉक डाउन के चलते इस बार 7 मई वैशाख पूर्णिमा पर लगने वाले मेले को मानवीय आधार,स्वास्थय व शारीरिक संरचना को सुरक्षित रखने के इस मेले के आयोजन को स्थगित कर दिया गया है।अतः आप सभी धर्मप्रेमीयों से निवेदन है कि लॉक डाउन की पालना करते हुए आप सभी अपने अपने घरों में ही श्री निंबेशवर महादेव की पूजा अर्चना के साथ महादेव का ध्यान कर सम्पूर्ण विश्व के लिए खुशहाली की कामना करे।महादेव आप सभी भक्तजनों की पुकार सुन कर कोरोना वायरस से भारत को शीघ्र ही मुक्त करेंगे,तथा जन जीवन पुनः अपने कार्य में लगेगा।

हजारों की संख्या में पहुंचते हैं शिवभक्तः– अरावली पर्वत मालाओं की श्रृंखलाओं में स्थित प्रचीन तीर्थ स्थल श्री निंबेशवर महादेव मंदिर परिसर में वैशाखी पूर्णिमा पर आयोजित होने वाले वार्षिक मेले में पाली, जालोर, सिरोही सहित राजस्थान के दूर सुदूर गांवो व शहरों के अलावा गुजरात,महाराष्ट्र,मध्यप्रदेश से हजारों की संख्या में महादेव के भक्तों का हुजूम यहां दर्शानार्थ के लिए पहुंचते हैं। जबकि इस बार कोरोना लॉक डाउन के चलते यह मेला नही लगेगा।

पुर्व प्रधान के साथ कांग्रेस के वरिष्ठजनों ने सिंदरू गांव में कोरोना वायरस की जानकारी ली।

कोसेलाव में चल रहे राम रसोडे का समापन,सेवा समिति के सदस्यों का हुआ बहुमान।

'साण्डेराव। कोरोना लॉक डाउन के चलते निकटवर्ती कोसेलाव गांव में कोसेलाव सेवा समिति के सदस्यों द्वारा दिहाडी मजदूरों, गरीब व जरूरतमंद परिवारों के लिए पिछले 23 मार्च से 2500 लोगों को रसोई की निःशुल्क सुविधाओं के लिए चलाएं जा रहे राम रसोडे का समापन सरपंच सोनीदेवी एवं समाज सेवी हनुमान भाटी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।समारोह में सेवा समिति के सदस्यों का संरपच के साथ गांव के समाजसेवी लोगों के साथ ग्रामीणो ने फुलमालाओ से स्वागत करते हुए उनका उत्साह वर्धन किया गया।

कोसेलाव गांव में कोसेलाव सेवा समिति के अध्यक्ष किसान नेता हनुमान भाटी के सानिध्य में गत 23 मार्च से गांव के सेवाभावी सदस्यों के साथ युवा टीम के भरत गहलोत,हितेश सोनी,करण चौधरी,नरेश मेगवाल, कांतिलाल चौधरी,राजु भाई,अशोक सोनी,फुटरमल सोनी,रमेश वैष्णव,रवि भाटी,दिनेश मीणा, हुसैन अली,मनीष सुथार,छगनलाल सहित गांव के लोगों की और से प्रति दिन अलग–अलग मीनू के अनुसार 2500 जरूरत

पश्चिम रेलवे चलायेगी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए पोरबंदर– शालीमार के बीच पार्सल स्पेशल ट्रेन की 12 सेवा

अहमदाबाद। COVID–19 आपदा के दौरान देश के विभिन भागों में दवाइयाँ, चिकित्सा उपकरण, खाद्य पदार्थ आदि आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति हेतु भावनगर रेल मंडल से पोरबंदर – शालीमार के मार्ग पर 04 मई, 2020 से लेकर 16मई, 2020 की अवधि में पार्सल स्पेशल ट्रेन की 12 सेवाओं का परिचालन किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)